Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 184
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार ,02 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 चार दिन पूर्व घर से गायब बालक की हत्या कर नदी | 5 क्या वीगन डाइट सबके लिए सही है? जानें इस | 7 इंडस्ट्री एकजुट हैं, शुभकामनाओं के लिए रानी

यूपीः सीएम योगी ने फिर दी चेतावनी

विभाजनकारी ताकतें बांटेंगी, लेकिन उन्हें सिर नहीं उठाने देना

■ संतों ने समाज को जोड़ने का किया कार्य ■ डबल इंजन सरकार ने महापुरुषों के प्रति ज्ञापित की कृतज्ञता

लखनऊः संत रविदास की 649वीं जयंती पर आयोजित उत्सव में सीएम योगी शामिल हुए। उन्होंने एक बार फिर से समाज बांटने वाले लोगों को निशाने पर रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बाराबिरवा, कानपुर रोड स्थित संत रविदास मठ में संत रविदास जी की प्रतिमा व सभागार का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास का प्रकटीकरण 649 वर्ष पहले काशी के सीर गोवर्धन में हुआ था। इतने वर्षों के बाद भी उनकी दिव्य आभा से आलोकित होकर यह समाज एक भारत-श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है। संत रविदास का जब धराधाम पर प्रकटीकरण पर हुआ, तब देश विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त था। उन्होंने उस समय भी साधना की पवित्रता और उसे कर्म की साधना के रूप में बदलने का कार्य किया था। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को वैष्णव परंपरा के अनुरूप जिस उपासना के लिए प्रेरित किया, वह जीवन में कर्म की प्रधानता, मन की शुद्धता को महत्व देता है और लोककल्याण के प्रति आग्रही बनाता है। संतों ने समाज को जोड़ने का किया कार्य सीएम योगी ने संत रविदास के वक्तव्य मन चंगा तो कठौती में चंगा का जिक्र किया और कहा कि सब कुछ कर्म पर निर्भर करता है। अच्छा कर्म करेंगे तो अच्छा और बुरा कर्म करेंगे तो बुरा फल पाएंगे। संत रामानंद से दीक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने कर्म साधना के माध्यम से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। सीएम ने समाज में भेदभाव का आरोप लगाने वालों को भी आईना दिखाया। बोले-जगद्गुरु रामानंदाचार्य ने समाज को जोड़ने के लिए मध्य काल में अलग-अलग जातियों से 12 शिष्य बनाए। समाज को जोड़ने का जितना बड़ा कार्य उस कालखंड में संतों ने किया, वह अद्भुत था। वर्तमान भारत का निर्माण उसी नींव पर हुआ है। गुलामी के बंधन को तोड़ने में वही हमारी प्रेरणा रही है। व्यर्थ नहीं जाती संत की वाणी सीएम योगी ने कहा कि संत रविदास ने प्रेरणा दी कि ऐसा राज होना चाहिए, जहां सभी को अन्न प्राप्त हो, कोई भूखा न सोए। हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले। संत की वाणी कभी व्यर्थ नहीं होती। मुगलों, अंग्रेजों व आजादी के बाद की विभिन्न सरकारों ने संत रविदास की प्रेरणा को भुला दिया, लेकिन 2014 में सरकार बनने के बाद पीएम मोदी ने गरीबों के बैंक खाते खुलवाए, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते में मिले। गरीबों को शौचालय, पीएम आवास, रसोई गैस, फ्री बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए। हर जरूरतमंद को राशन व स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्रदान किया गया। सबका साथ-सबका विकास के प्रेरणा की तह में सद्गुरु रविदास की ही प्रेरणा है। डबल इंजन सरकार ने महापुरुषों के प्रति ज्ञापित की कृतज्ञता सभागार के लोकार्पण पर सीएम योगी ने कहा कि सरकार महापुरुषों के प्रति श्रद्धा रखती है। सभागार बनने से सर्दी-गर्मी, बरसात में भी कार्यक्रम करने के लिए समिति को कष्ट नहीं उठाना पड़ेग भजन मंडली, भक्त, वक्ता सभी बैठकर एक साथ कार्यक्रम कर सकेंगे।

बजट 2026-27: मोदी सरकार का बड़ा फैसला

अब अनजाने में टैक्स छिपाने पर नहीं होगी जेल

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने रविवार को पेश किए बजट 2026 में बड़े इनकम टैक्स सुधार का ऐलान किया है। सरकार ने कहा कि अब करदाता को अपराधी की नजर से नहीं देखा जाएगा। इसके जरिए सरकार की कोशिश देश में भरोसा आधारित टैक्स संरचना विकसित करना है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि एक अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स एक्ट के तहत अगर किसी की आय में कोई गड़बड़ी मिलती है या अनजाने में टैक्स छिपाया जाता है तो सजा की बजाय केवल जुमार्ना भरना होगा। इसके अलावा, जिन लोगों की विदेशों में अघोषित संपत्ति है, उन्हें सरकार अपनी गलती सुधारने के लिए 6 महीने का विशेष समय देगी। वह लोग एक खास प्रकटीकरण स्कीम के तहत अपनी संपत्ति की जानकारी देकर कानूनी दांवपेचों से बच सकते हैं। वित्त मंत्री ने अपने बजट 2026-27 भाषण में कहा, छोटे अपराधों पर केवल जुमार्ना लगेगा। शेष अभियोगों को अपराध की गंभीरता के अनुरूप वर्गीकृत किया जाएगा। इनमें केवल साधारण कारावास होगा, अधिकतम कारावास घटाकर दो वर्ष कर दिया गया है, और न्यायालयों के पास इन्हें भी जुमार्ने में बदलने का अधिकार होगा। वित्त मंत्री के कहा, प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील की अवधि के लिए करदाता पर जुमार्ने की राशि पर कोई ब्याज नहीं लगेगा, चाहे अपील प्रक्रिया का परिणाम कुछ भी हो।

सार संक्षेप

सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार बनाएगी शिक्षा से रोजगार और उद्यम समिति

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को सेवा क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करने और जरूरी उपायों की सिफारिश करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त स्थायी समिति शिक्षा से रोजगार और उद्यमश गठित करने की घोषणा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि इस पहल का उद्देश्य भारत को सेवाओं के मामले में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश बनाना है, ताकि 2047 तक वैश्विक हिस्सेदारी में भारत का योगदान 10 प्रतिशत तक पहुंच सके। उन्होंने बताया कि यह समिति विकास, रोजगार और निर्यात की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करेगी। साथ ही, यह नौकरियों और कौशल आवश्यकताओं पर एआई (एआई) सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का आकलन करेगी और आवश्यक कदम सुझाएगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी कार, तीन की दर्दनाक मौत

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। यह हादसा बेवाना थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 161 पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, लखनऊ की ओर से आ रही एक कार को बगल से एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार में सवार छह वर्षीय मासूम बच्चे, उसके पिता और एक महिला की मौत हो गई। घटना में घायल हुए चार लोगों में कार चालक भी शामिल है। सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे का शिकार हुए सभी लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं, जो लखनऊ से गोरखपुर अपने घर लौट रहे थे। मृतक और घायल गोरखपुर जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही बेवाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी अकबरपुर ने बताया कि सुबह करीब 8रू30 बजे ट्रक और कार की टक्कर की सूचना मिली थी।

संत रविदास जयंती पर पंजाब को एयरपोर्ट की सौगात

उनके आशीर्वाद से बनेगा विकसित भारत:पीएम

पंजाब। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु रविदास जयंती पर पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा' रखा और हलवारा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस कदम को संत रविदास को श्रद्धांजलि बताया और कहा कि इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे का दौरा किया और हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा, आदमपुर' रखा। पीएम मोदी ने पंजाब के लुधियाना स्थित हलवारा हवाई अड्डे पर टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन किया। पीएम मोदी संत गुरु रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर पंजाब आए थे। आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर इस पूजनीय संत और समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती रहती हैं। पीएम द्वारा हलवारा हवाई अड्डे पर उद्घाटन किया गया टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, जो लुधियाना और उसके आसपास के औद्योगिक और कृषि प्रधान क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगा। लुधियाना जिले में स्थित हलवारा में भारतीय वायु सेना का एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्टेशन भी है। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज माघ पूर्णिमा की पवित्र तिथि है। श्री गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती का पावन अवसर है। इस पुण्य पर्व पर आज मुझे आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है। मैं इस पवित्र मंच से श्री गुरु रविदास जी को प्रणाम करता हूं और आप सभी को औ? सभी देशवासियों को संत रविदास जयंती और माघ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मेरा रिश्ता श्री गुरु रविदास जी की जन्मभूमि काशी से है। काशी के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिए और सांसद के रूप में काशी की सेवा करने का भी मुझे सौभाग्य मिला। मैं जब भी सीर गोवर्धनपुर जाता हूं, बड़ी संख्या में मुझे पंजाब के भाई बहनों से मिलने का भी सौभाग्य मिलता है। मैं इस बार संत रविदास जी की प्रेरणा भूमि पंजाब की वीर भूमि पर आया हूं। मैं मानता हूं कि ये श्री गुरु रविदास जी की ईच्छा है और मेरा बहुत सौभाग्य है। मैं इस आयोजन में निमंत्रित करने के लिए डेरा सचखंड बल्ला का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में डेरा सचखंड बल्लां के कार्य बहुत सराहनीय रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़े अनेक कार्य पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज के मार्गदर्शन में अविरत हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में दुनिया के कई देशों में श्री गुरु रविदास जी के विचारों का प्रसार भी हुआ है। इस योगदान को सम्मान देने के लिए अभी हाल ही में हमारी भाजपा की केंद्र सरकार ने पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर मैं उन्हें आदरपूर्वक नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि संत रविदास जी ने हमें सेवा का जो मार्ग दिखाया है उस प्रेरणा को इससे और ऊर्जा मिली है।

'बजट में नए भारत व विकसित भारत की संकल्पना..

हर वर्ग के लोगों का रखा गया ध्यानःसीएम योगी

लखनऊ : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया। इस बजट को सीएम योगी ने सराहा।

सीएम योगी आदित्यनाथ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बजट में नए भारत व विकसित भारत की संकल्पना साफ दिखती है। रेल कॉरिडोर, आयुष और हेल्थ सेक्टर को महिलाओं पर केंद्रित करके जोर देना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छात्राओं या फिर कामकाजी महिलाओं के लिए, स्टैटिक्स से जुड़ी छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण करना, युवाओं के सपने को नई उड़ान देने के लिए, हर सेक्टर में अवसर उपलब्ध हो, इसका ध्यान रखा गया है। सीएम ने कहा कि यह बजट आम नागरिक के जीवन को सहज और सरल बनाने में सहयोग करेगा। अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने में सहायक होगा। युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों, अन्नदाता किसानों और आम नागरिक के लिए भी नए अवसर प्रदान करने वाला है। इन्कम टैक्स एक्ट अप्रैल से लागू करना और उसका सरलीकरण करना, ताकि हर व्यक्ति आसानी से आईटीआर भर सके, यह स्वागत योग्य कदम है।

केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक कदम : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि संसद में पेश किया गया बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि संसद में पेश किया गया बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उत्तर पश्चिमी दिल्ली के त्रिनगर इलाके में स्थानीय निवासियों के साथ एक कार्यक्रम में बजट प्रस्तुति देखने के बाद पत्रकारों से कहा कि बजट हर वर्ग को ध्यान में रखता है और व्यापार एवं व्यवसाय के विभिन्न आयामों को बढ़ावा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा, इसमें हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ है, विशेष रूप से युवाओं

के लिए रोजगार सृजन, सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण एवं विकास, खेलकूद, विदेशों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने पर छूट। उन्होंने कहा, आपदा प्रबंधन के लिए शहरों को दिए जाने वाले अनुदानों को लेकर दिल्ली से हमें काफी उम्मीदें हैं। गुप्ता ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को देश का शानदार बजट पेश करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि राज्यों के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन एक सराहनीय प्रयास है, जिससे उन्हें आपातकालीन प्रतिक्रिया अवसंरचना को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ने 2026-2031 के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे पर 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट भी पेश की। सीतारमण ने लोकसभा में 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाता रहेगा।

यह बजट आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में भारत की वैश्विक छवि को और मजबूत करेगा : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को पेश किया गया बजट भारत को वैश्विक मंच पर पारंपरिक से लेकर नये दौर के विभिन्न क्षेत्रों में सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनाने की रफ्तार को तेज करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को पेश किया गया बजट भारत को वैश्विक मंच पर पारंपरिक से लेकर नये दौर के विभिन्न क्षेत्रों में सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनाने की रफ्तार को तेज करेगा। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, खेल से लेकर तीर्थ स्थलों तक,

विकसित भारत बजट एक ऐसा बजट है जो हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं एवं किसानों के सपनों को सशक्त बनाता है, ताकि वे उन सपनों को साकार कर सकें। सरकार द्वारा राजकोषीय विवेक के साथ विकास और प्रगति को गति देने की प्रतिबद्धता पर जबर्दस्त तरीके से मुहर लगाये जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए शाह ने कहा कि बजट राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे रखने के लक्ष्य को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि बजट 2047 तक एक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की परिकल्पना और अगले 25 वर्षों के लिए रोडमैप पेश करता है। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 के इस बजट के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी ने यह साबित कर दिया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है। यह बजट न केवल हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने के लिए एक स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है, बल्कि इसे प्रोत्साहित करने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है, जो हर कदम पर इसका समर्थन करेगा। विकसित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का दृष्टिकोण है, जो विश्व के हर क्षेत्र में अग्रणी हो। गृह मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने की दिशा में योजना शुरू करने का एक ऐतिहासिक निर्णय बजट प्रस्ताव में लिया गया है।

महिला स्वयं सहायता समूह उद्यमियों के लिए किए स्थापित किए जाएंगे शी मार्ट

नईदिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि लखपति दीदी योजना की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों के लिए सामुदायिक स्वामित्व वाली खुदरा दुकानें स्थापित की जाएंगी। लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने इसे स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों के लिए उद्यमों के मालिक बनने की दिशा में अगला कदम बताया। सीतारमण ने कहा, लखपति दीदी कार्यक्रम की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, मैं महिलाओं को ऋण-आधारित आजीविका से उद्यमों की मालिक बनने की दिशा में अगला कदम उठाने में मदद करने का प्रस्ताव करती हूं। उन्होंने कहा, स्वयं सहायता उद्यमी - शी मार्ट को उन्नत एवं नवोन्मेषी वित्त साधनों के माध्यम से संकुल-स्तरीय संघों के भीतर सामुदायिक स्वामित्व वाली खुदरा दुकान के रूप में स्थापित किया जाएगा। लखपति दीदी, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की वह महिला सदस्य होती है जिसकी वार्षिक घेरलू आय कम से कम एक लाख रुपये हो। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, अब तक दो करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और लक्ष्य 2027 तक तीन करोड़ महिला एसएचजी सदस्यों की वार्षिक आय को एक लाख रुपये तक पहुंचाना है।

केंद्रीय बजट पर अखिलेश यादव हुए हमलावर

बजट में न आम आदमी का जिक्र है और न फिक्र

लखनऊ : संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इस भाजपाई बजट का परिणाम है कि बजट आते ही शेयर बाजार धड़ाम हो गया।

केंद्रीय बजट प्रस्तुत होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपाई बजट आते ही शेयर बाजार धड़ाम हो गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि - सवाल ये नहीं है कि शेयर बाजार रविवार को खुलेगा, सवाल ये है कि और कितना गिरेगा। - जब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से क्या होगी। - हम तो भाजपा के हर बजट को 1/20 (एक बंटे बीस) का बजट मानते हैं क्योंकि वो 5% लोगों के लिए होता है। - भाजपा का बजट, अपने कमीशन और अपने लोगों को सेट करने का बजट होता है। - भाजपा का बजट, भाजपाई भ्रष्टाचार की अदृश्य खाता-बही होता है। - इस बजट में न आम जनता का ज़िक्र है न फि क्र। - महंगाई बेतहाशा बढ़ने पर भी इस बजट में जनता को टैक्स में छूट न देना, टैक्स-शोषण है। - अमीरों के काम-कारोबार और घूमने-फिरने पर दस तरह की छूटें दी गई हैं लेकिन बेकारी-बेरोजगारी से जूझ रहे लोगों की उम्मीदों की थाली, खाली है। निराशाजनक, निंदनीय बजट! वित्त मंत्री ने पेश किया बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय वर्ष 2014-15 में ?2 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ?11.2 लाख करोड़ के आवंटन तक पहुंच गया है। वर्ष 2026-27 में इस गति को बनाए रखने के लिए मैं इसे बढ़ाकर ?12.2 लाख करोड़ करने का प्रस्ताव रखती हूं। अवसंरचना विकास और निर्माण चरण के दौरान जोखिमों को लेकर निजी डेवलपर्स का विश्वास मजबूत करने के लिए, मैं एक इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड स्थापित करने का प्रस्ताव रखती हूं, जो ऋणदाताओं को आंशिक क्रेडिट गारंटी प्रदान करेगा।

वहीं 2026-27 में ऋण-से-जीडीपी औसत, जीडीपी का 55.6% रहने का अनुमान है। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 56.1% था। जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहेगा राजकोषीय घाटा, बजट 2026-27 का अनुमान। यह वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4% था 2026-27 में 36.5 लाख करोड़ गैर-ऋण प्राप्तियों का बजट में अनुमान है।

हिंदू सम्मेलन 2026 का भव्य आयोजन, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिंदू सम्मेलन 2026 का भव्य एवं अनुशासित आयोजन दिनांक 1 फरवरी 2026, रविवार को दुर्गा पूजा ग्राउंड, सेक्टर-137, नोएडा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन का आयोजन हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति, सेक्टर-137, नोएडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री विपुल जी के द्वारा गण गीत, सुश्री भावना जी के द्वारा एकल गीत बाल कलाकार गौरांश के द्वारा भजन-संगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों के आगमन पर दीप प्रज्वलन, पूर्वांचल के बाल कलाकारों के द्वारा गणेश वंदना एवं सुपर टेक के बाल कलाकारों के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की गई। श्री प्रमोद राजपूत जी के द्वारा मंच परिचय तथा कार्यक्रम की महती भूमिका प्रस्तुत की गई ' सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कुशल संयोजन का कार्य डॉ विमल गुप्ता के द्वारा किया गया ' श्री चन्द्र मोहन जी, राकेश देव जी (अध्यक्ष श्री सनातन धर्म सभा) एवं श्री सतीश

जी के साथ बटुक ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया ' संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सपना दत्ता जी द्वारा अत्यंत प्रभावी एवं गरिमामय ढंग से किया गया। सम्मेलन में पूर्वांचल के बाल कलाकारों द्वारा महिषासुर मर्दिनी, गुलशन के बाल कलाकारों द्वारा शिव तांडव, अजनारा के बाल कलाकारों द्वारा श्रीमती प्रियंका एवं श्रीमती रेखा पाण्डे के नेतृत्व में आरम्भ है प्रचण्ड नृत्य गीतिका प्रस्तुत की गई ' वीर शिवाजी, ऑपरेशन सिंदूर, युग परिवर्तन जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। मुख्य वक्ता एवं संस्थापक, सनातन महासंघ, हरिद्वार राष्ट्रीय विचारक एवं वक्ता डॉ. गौतम खट्टर जी ने हिंदू समाज की एकता, संस्कृति संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण पर प्रेरक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान जगदीप ग्रोवर जी ने की। विशिष्ट वक्ताओं में राष्ट्रवादी विचारक एवं सनातन धर्म प्रचारक गायत्री पीठ हरिद्वार पूज्य दीदी मुस्कान रघुवंशी जी एवं प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय कवि एवं वक्ता श्रीमान अमित शर्मा जी प्रमुख रहे। आशीर्वचन श्रीमान जगदीप राय जी द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में श्री निखिल जी के द्वारा सारगर्भित धन्यवाद ज्ञापन के साथ भारत माता की आरती की गई ' तत्पश्चात सपरिवार भोजन-प्रसाद की भी व्यवस्था रही ' सम्मेलन सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में नोएडा महानगर के प्रचारक डॉ सुमित जी, श्री सौरभ जी, सनातन धर्म सभा के कार्यकर्ताओं श्री सुरेश, श्रीमती रीना, श्रीमती अंजू, श्री माधव, श्री संजीव दत्ता जी, श्री आलोक पांडेय जी, श्री अवनीश जी सहित सेक्टर 137 की सभी सोसायटियों से जुड़े सुधीजनों की उपस्थिति रही '

सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 196 बच्चों को हुआ स्वर्णप्राशन - डॉ जी एस तोमर

सुदर्शन हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर त्रिवेणीपुरम, झूँसी एवं विश्व आयुर्वेद मिशन

के संयुक्त तत्वावधान में आज दि. 1 फरवरी, 2026 को माघ पूर्णिमा एवं पुष्य नक्षत्र के अवसर पर निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का आयोजन झूंसी में किया गया जिसमें नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष की आयु तक के 196 बच्चों को स्वर्ण बिन्दु के रूप में स्वर्णप्राशन की खुराक दी गयी। विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) जी एस तोमर ने स्वर्णबिंदु के लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि स्वर्णप्राशन से बच्चों को दीर्घायु, ऊर्जा, मेधाशक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ बाल्यावस्था में होने वाले सामान्य रोगों से भी लड़ने की शक्ति में भी वृद्धि होती है। डॉ तोमर ने बताया कि विगत तीन वर्षों से अधिक समय से स्वर्णप्राशन का यह कार्यक्रम प्रति माह निरंतर चलाया जा रहा है जिसमें अब तक 4000 से अधिक बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जा चुका है। सांख्यिकीय विश्लेषण करने पर इनमें से 75 प्रतिशत बच्चे निरन्तर इसका लाभ ले रहे हैं। प्रत्येक माह 25 प्रतिशत नए बच्चे इसमें जुड़ रहे हैं। पूछे जाने पर अधिकांश अभिभावकों का अभिमत है कि उनके बच्चों की शारीरिक एवं मानसिक वृद्धि में अभूतपूर्व सुधार हो रहा है तथा बार बार होने वाली मौसमी बीमारियों से भी उनका बचाव हो रहा है। सुदर्शन आयुर्वेद केन्द्र के निदेशक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्वर्ण प्राशन की यह खुराक विगत 3 वर्षों से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन बच्चों को निःशुल्क पिलाई जा रही है। इस पुनीत संस्कार हेतु वांछित औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु डॉ तोमर ने झंडुइमामी समूह का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया।

ममता पर भारी इश्कः थाने में गिड़गिड़ाता रहा पति-बेटा, तीन बच्चों की मां 18 साल के प्रेमी संग गइ

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र में एक 45 वर्षीय महिला अपने 18 वर्षीय पड़ोसी प्रेमी के साथ फरार हो गई, जिसे पुलिस ने शनिवार को बरामद किया। थाने में महिला के बेटे और पति ने घर वापस लौटने की काफी मिन्नतें कीं, लेकिन महिला ने उनके साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। कानपुर के घाटमपुर में भीतरगांव के साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव की 45 वर्ष की उम्र की तीन बच्चों की मां को करीब 18 वर्षीय युवक से प्यार हो गया। 26 जनवरी को महिला पड़ोस में रहने वाले प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई। पति की तहरीर पर पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्जकर दोनों की तलाश कर रही थी। शनिवार को पुलिस दोनों को बकेवर इलाके से ढूंढ कर थाने लेकर आई। सूचना मिलते ही उसका पति अपने तीनों बच्चों को लेकर पहुंचा। पति और बच्चे महिला से घर वापस चलने की मिन्नतें करते रहे। 18 साल के बड़े बेटे ने भी मां को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी। लिखा पढ़ी के बाद युवक के साथ चली गई दो टूक जवाब दिया कि वह अब अपने प्रेमी के साथ जिंदगी बिताएगी। थाना प्रभारी अवनीश कुमार सिंह ने बताया समझाने के बावजूद महिला जिद पर अड़ी रही। लिखा पढ़ी के बाद युवक के साथ चली गई। महिला बालिग है और उसने स्वेच्छा से युवक के साथ जाने का फैसला किया।

कूड़े के ढेर में हुआ जोरदार धमाका, खेल रहे चार मासूम गंभीर रूप से झुलसे

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र में कूड़े के ढेर में हुए तेज धमाके में चार मासूम बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें तत्काल उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीमें जांच पड़ताल में जुटी हैं। कानपुर में सचेंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रविवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक कूड़े के ढेर में अचानक जोरदार धमाका हो गया। इस ब्लास्ट की चपेट में आकर वहां पास ही खेल रहे चार बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। लोगों ने आनन फानन बच्चों को गंभीर हालत में उर्सला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे बस्ती के पास लगे कूड़े के ढेर के पास खेल रहे थे। तभी अचानक किसी अज्ञात वस्तु में विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज सुनते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर दौड़े, जहां चारों बच्चे झुलसी हुई अवस्था में जमीन पर पड़े मिले। बच्चों के शरीर पर छर्रे जैसे निशान और जलने के गहरे जख्म हैं।

मौसम की मार से थमी एक्सप्रेस ट्रेनों की रफ्तार

बस्ती। जैसे-जैसे मौसम में परिवर्तन होता है, उसका असर एक्सप्रेस ट्रेनों पर देखने को मिलता है। ठंड के मौसम में कोहरे के चलते दिसंबर माह से ट्रेनों के लेट होने का सिलसिला जारी है, इस समय मौसम में परिवर्तन हो रहा है, कि अधिकांश ट्रेन अपने निर्धारित समय से रफ्तार पकड़ रही है, जबकि कुछ ट्रेनें अभी भी कई घंटे की देरी से चल रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के बस्ती रेलवे स्टेशन के रास्ते जाने वाली अधिकांश एक्सप्रेस ट्रेनों को अभी भी मौसम की मार झेलनी पड़ रही है, तमाम ट्रेन कई घंटे की देरी से चल रही है, रेलवे प्रशासन का मानना है, कि जैसे-जैसे मौसम में परिवर्तन होगा और गर्मी का मौसम आएगा कि ट्रेन अपने समय से चलने लगेंगी।

लेदर उद्योग को मिला नया संबल बंद होती इकाइयों में लौटी उम्मीद

कानपुर। केंद्रीय बजट ने कानपुर की लेदर इकाइयों को आईजीसीआर स्कीम में शामिल कर और समयसीमा बढ़ाकर बड़ी व्यापारिक राहत प्रदान की है। शू अपर एक्सपोर्टर्स को मिली नई छूट से 222 मिलियन डॉलर के मौजूदा निर्यात कारोबार को वैश्विक स्तर पर बड़ी छलांग लगाने का मौका मिलेगा। कानपुर में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर आम आदमी से लेकर कारोबारी और उद्योग जगत की नजरें टिकी हुई थीं। बजट को कुल मिलाकर विकास को गति देने वाला माना जा रहा है। खास तौर पर लेदर (चर्म) इंडस्ट्री के लिए किए गए प्रावधानों से कानपुर और आसपास की दम तोड़ती उद्योग इकाइयों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। कानपुर और उसके आसपास करीब एक हजार छोटी-बड़ी लेदर इकाइयां संचालित हैं, जिनमें से कई पर बंदी का संकट बना हुआ था। हालांकि, हाल के महीनों में यूरोपीय देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों और अब बजट में घोषित राहतों से उद्योग के दोबारा पटरी पर लौटने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। उद्योग जगत ने बजट में आईजीसीआर

स्कीम के विस्तार का स्वागत किया है। वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा कस्टम नोटिफिकेशन नंबर 2/2026 के तहत शू अपर एक्सपोर्टर्स को इस योजना में शामिल किया गया है। पहले यह सुविधा लेदर गारमेंट्स, फुटवियर और लेदर प्रोडक्ट्स तक सीमित थी। उद्यमियों का मानना है कि इससे वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2024-25 में शू अपर का निर्यात 222 मिलियन डॉलर रहा था। इसके साथ ही आईजीसीआर के तहत निर्यात की समयसीमा को छह महीने से बढ़ाकर एक वर्ष किए जाने और योजना को 31 मार्च 2028 तक बढ़ाने को भी राहत भरा कदम बताया गया है। निर्यात और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा टैग, लेबल, स्टिकर और बेल्ट जैसे आयातित सामान पर कस्टम ड्यूटी छूट बढ़ाए जाने से भी उद्योग को मजबूती मिलने की उम्मीद है। जावेद इकबाल, पूर्व रीजनल चेयरमैन, चर्म निर्यात परिषद ने कहा कि बजट में आईजीसीआर स्कीम का विस्तार और यूरोपीय बाजारों में मिली राहत से कानपुर के पारंपरिक लेदर उद्योग को नई दिशा मिलेगी। इससे निर्यात और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

चार दिन पूर्व घर से गायब बालक की हत्या कर नदी में फेंका लोगों में आक्रोश

बलिया। जिले में बालक की लाश मिलने की सूचना पाकर मौके पर सहतवार थाने की पुलिस भी पहुंच गई। नाराज लोगों को समझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सहतवार थाना क्षेत्र चांदपुर नई बस्ती के पास सरयू नदी में चार दिन पूर्व गायब 10 वर्षीय बालक की हत्या कर बदमाशों ने नदी शव फेंक दिया था। शनिवार को नदी में उतराए शव को स्थानीय लोगों ने देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त थाना क्षेत्र के सिंगही निवासी चंदन प्रजापति के पुत्र अभिषेक प्रजापति के रूप में की। इसकी खबर लगते ही क्षेत्र में खलबली मच गई, मौके पर भारी भीड़ जुट गई। किसी भी अप्रिय घटना को लेकर सहतवार के अलावा रेवती, बांसडीह की पुलिस मुस्तैद है। परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल रहा। सिंगही निवासी चंदन प्रजापति के पुत्र अभिषेक प्रजापति घर से 25 जनवरी को घर से गायब हो गया। परिजनों ने काफी खोजबीन के बावजूद सुराग न लगने पर दादा गणेश प्रजापति की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया कर खोजबीन में जुट गई। शनिवार शाम भोजछपरा गांव के सामने सरयू नदी में नाविकों ने एक तैरता हुआ शव देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाया और कब्जे में ले लिया।

लगभग 1.20 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं, सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे तेजी से विस्तार करने के लिए तैयार है। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में 2,78,000 करोड़ रुपये के पर्याप्त आवंटन के समर्थन से, रेलवे अपना खर्च हाई-स्पीड कनेक्टिविटी, माल ढुलाई और सुरक्षा पर केंद्रित कर रहा है। केंद्रीय बजट 2026-27 में भारतीय रेलवे के लिए ?2,93,030 करोड़ के रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय की योजना बनाई गई है। यह भारतीय रेलवे के लिए अब तक का सबसे अधिक पूंजीगत व्यय और आवंटन है। यह आवंटन रेल अवसंरचना को मजबूत करने, क्षमता बढ़ाने और यात्री सुरक्षा को बेहतर बनाने पर सरकार के निरंतर ध्यान को रेखांकित करता है। यह आर्थिक विकास और रसद दक्षता के प्रमुख चालक के रूप में रेल अवसंरचना का लाभ उठाने पर जोर को दशार्ता है। निरंतर निवेश का उद्देश्य माल ढुलाई में सुधार करना, रसद लागत को कम करना, उच्च घनत्व वाले गलियारों में भीड़भाड़ कम करना और आधुनिक ट्रेनों और पुनर्निर्मित स्टेशनों के माध्यम से यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना है। अपनी दीर्घकालिक दृष्टि के अंतर्गत, सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए शहरों के बीच सात उच्च गति रेल गलियारों को 'विकास संयोजक' के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। इन गलियारों में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। प्रस्तावित गलियारों से अंतर-शहर यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आने और यात्रियों की सुगम, बहुआयामी आवाजाही की सुविधा मिलने की उम्मीद है। नए कॉरिडोर की घोषणा के साथ, रेल आधारित परिवहन व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। दक्षिण भारत में, चेन्नई-बेंगलुरु-हैदराबाद हाई-स्पीड नेटवर्क एक दक्षिणी हाई-स्पीड ट्रायंगल (या डायमंड) बनाएगा, जो प्रमुख आर्थिक और आईटी केंद्रों को जोड़ेगा। रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। श्री वैष्णव ने कहा कि चेन्नई-बेंगलुरु की यात्रा में लगभग 1 घंटा 13 मिनट, बेंगलुरु-हैदराबाद की यात्रा में लगभग 2 घंटे और चेन्नई-हैदराबाद की यात्रा में लगभग 2 घंटे 55 मिनट का समय लगेगा। उम्मीद है कि यह नेटवर्क कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के विकास में एक शक्तिशाली कारक साबित होगा और क्षेत्रीय विकास को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा। पश्चिमी और मध्य भारत में, आगामी मुंबई-पुणे हाई-स्पीड कॉरिडोर से यात्रा का समय घटकर लगभग 48 मिनट हो जाएगा, जिससे दो प्रमुख शहरी केंद्र प्रभावी रूप से जुड़ जाएंगे। पुणे से हैदराबाद तक लगभग 1 घंटा 55 मिनट में कनेक्टिविटी और आगे दक्षिणी केंद्रों तक कनेक्टिविटी से क्षेत्रों में एक निरंतर हाई-स्पीड नेटवर्क बनेगा, जिससे यात्रियों और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं दोनों को लाभ होगा। उत्तरी और पूर्वी भारत में, दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड कॉरिडोर से यात्रा का समय लगभग 3 घंटे 50 मिनट हो जाएगा। इसके अलावा, वाराणसी से पटना होते हुए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से वाराणसी और सिलीगुड़ी के बीच यात्रा का समय लगभग 2 घंटे 55 मिनट हो जाएगा। इस कनेक्टिविटी से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के बीच एक नया आर्थिक गलियारा बनने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों को काफी बढ़ावा मिलेगा। श्री वैष्णव ने कहा कि सातों हाई-स्पीड कॉरिडोर मिलकर लगभग 4,000 किलोमीटर की लंबाई तक फैले हुए हैं और इनसे लगभग 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है, जिससे रेलवे भविष्य की परिवहन व्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ बन जाएगा। माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में एक नए समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर का भी प्रस्ताव है, जो पश्चिम बंगाल के डंकुनी को गुजरात के सूरत से जोड़ेगा और ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। यह 2,052 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर मौजूदा पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर से जुड़ेगा, जिससे पश्चिमी तट के बंदरगाहों तक माल की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मौजूदा पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर लगभग पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और प्रतिदिन लगभग 400 मालगाड़ियों का संचालन करते हैं, इसलिए भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कॉरिडोर की आवश्यकता है। यह पूर्व-पश्चिम गलियारा विभिन्न क्षेत्रों में निर्बाध व्यापार प्रवाह को मजबूत करेगा, मौजूदा रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करेगा और माल परिवहन की दक्षता बढ़ाएगा, जिससे औद्योगिक विकास और आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन मिलेगा केंद्रीय मंत्री ने अवसंरचना निर्माण में हासिल की गई रिकॉर्ड उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें 35,000 किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण, 47,000 किलोमीटर का विद्युतीकरण और ब्रॉड-गेज नेटवर्क के 99.5 प्रतिशत से अधिक हिस्से का विद्युतीकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत स्लीपर और चेयर कार ट्रेनों, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों का निर्माण, साथ ही रिकॉर्ड संख्या में वैगनों की भर्ती, अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है। स्थिरता पर जोर देते हुए, श्री वैष्णव ने कहा कि रेल परिवहन सड़क परिवहन की तुलना में लगभग 95 प्रतिशत कम प्रदूषणकारी है, जो सरकार की पर्यावरण और जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है और जन परिवहन के एक हरित माध्यम के रूप में रेलवे के बारे में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को दशार्ता है। रिकॉर्ड आवंटन राष्ट्रीय विकास, आर्थिक विकास और समावेशी कनेक्टिविटी की रीढ़ के रूप में भारतीय रेलवे की भूमिका को और मजबूत करता है। केंद्रीय बजट 2026-27 में उल्लिखित पहलों के साथ, भारतीय रेलवे 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप तीव्र संपर्क, कुशल रसद और सुदृढ़ अवसंरचना प्रदान करके राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

संक्षिप्त खबरें

इज्जतनगर में 01-01 लिफ्ट तथा मरीजों की सुविधा के लिये 02 लिफ्ट ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में लगाई गई

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के साथ उन्नत यात्री सुविधाओं के अनेक कार्य सम्पादित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में, पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिये एस्केलेटर एवं लिफ्ट लगाये गये हैं। इसके अतिरिक्त 87 अतिरिक्त एस्केलेटर तथा 55 अतिरिक्त लिफ्ट लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में, 13 स्टेशनों पर यात्री सुविधा हेतु कुल 40 एस्केलेटर लगाये जा चुके हैं, जिनमें गोरखपुर जं. पर 04, लखनऊ जं. पर 02, गोंडा पर 02, बस्ती पर 02, गोमती नगर पर 12, बनारस पर 04, छपरा पर 02, मऊ पर 02, सीवान पर 02, गाजीपुर सिटी पर 02, बलिया पर 02, इज्जतनगर पर 02 एवं देवरिया सदर स्टेशन पर 02 एस्केलेटर सम्मिलित हैं। इस रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 87 अतिरिक्त एस्केलेटर लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है। पूर्वोत्तर रेलवे पर यात्री सुविधाओं के अन्तर्गत 22 स्टेशनों पर कुल 65 लिफ्ट लगाये जा चुके हैं, जिनमें गोरखपुर जं. पर 08, लखनऊ जं. पर 03, गोंडा पर 02, बस्ती पर 02, खलीलाबाद पर 02, सीतापुर पर 02, ऐशबाग पर 02, गोमती नगर पर 09, सिद्धार्थ नगर पर 02, बनारस पर 06, छपरा पर 03, मऊ पर 02, सीवान पर 01, गाजीपुर सिटी पर 02, वाराणसी सिटी पर 02, मैरवा पर 02, सुरेमनपुर पर 02, बलिया पर 03, प्रयागराज रामबाग पर 03, इज्जतनगर पर 03, बरेली सिटी पर 02 एवं काठगोदाम स्टेशन पर 02 लिफ्ट सम्मिलित हैं। इस रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 55 अतिरिक्त लिफ्ट लगाये जाने का कार्य प्रगति पर है। उपरोक्त के अतिरिक्त रेल कर्मियों की सुविधा के लिये मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय, लखनऊ एवं मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय, इज्जतनगर में 01-01 लिफ्ट तथा मरीजों की सुविधा के लिये 02 लिफ्ट ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में लगाई गई है।

अलग-अलग गांवों में पुलिस कराएगी बहू-बेटी सम्मेलन

बनकटी। महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए लालगंज पुलिस थानाक्षेत्र के पाकरडाड़, हरैर्या, कचनी व मेहनौना समेत चार गांव में रविवार को बहू बेटी सम्मेलन का आयोजन कराएगी। सम्मेलन में महिलाओं और बालिकाओं को मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों व विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी जाएगी। मिशन शक्ति फेज-पांच अभियान के तहत लालगंज पुलिस लगातार स्कूल व कॉलेजों में कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं के सशक्तीकरण, साइबर अपराध व महिला विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दे रही है। नए रोस्टर के अनुसार अब हर महीने के प्रत्येक रविवार को बहू बेटी सम्मेलन का आयोजन कर महिलाओं को जागरूक किया जाएगा।

बनकटी क्षेत्र में यूरिया का संकट, भटक रहे किसान

बनकटी। क्षेत्र के साधन सहकारी समितियों पर यूरिया खत्म हो चुका है। सप्ताह भर से किसान समितियों का चक्कर लगा रहे हैं या फिर महंगे दाम पर निजी दुकान से खरीदने को मजबूर हैं। गेहूं की फसल के लिए किसानों को यूरिया की जरूरत है। किसानों ने समितियों पर यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की है। विकास खंड क्षेत्र में साधन सहकारी समिति सजनाखोर, खोरिया बसौढ़ी, महंथा सजहरा, चितखोर गंगौरी, वोकनार, कराह पिठिया आदि संचालित हैं। एक-दो समितियों को छोड़कर किसी भी समिति पर एक माह से यूरिया नहीं है, जबकि गेहूं की फसल के लिए दोबारा यूरिया की जरूरत है। किसान सर्वेश उपाध्याय, राजेंद्र प्रसाद चौधरी, अजय शुक्ला, राम किशुन चौधरी आदि ने बताया कि गेहूं की फसल में दोबारा यूरिया डालना अति आवश्यक है, मगर समितियों पर यूरिया खत्म है। राम तौल चौधरी ने बताया कि निजी दुकानों पर 400 से 450 रुपये में जिंक के साथ यूरिया मिल रहा है। इस समय डाई और यूरिया दोनों की जरूरत है। जिला सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता आशीष श्रीवास्तव ने बताया की डाई व यूरिया की कमी नहीं है। सचिवों के मांग के अनुसार भेजा जा रहा। सोमवार से लेकर मंगलवार तक सभी समितियों पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

निजी विद्यालयों में 7110 सीटों पर होगा निशुल्क नामांकन, विभाग अदा करेगा फीस

बस्ती। बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में नर्सरी से लेकर कक्षा एक तक निशुल्क प्रवेश कराया जाएगा। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने खाका तैयार कर लिया है। जिले के मान्यता प्राप्त गैर सहायतित 878 प्राइवेट स्कूलों में नर्सरी से कक्षा एक तक 25 प्रतिशत शीट आरक्षित की गई है। कुल 7110 बच्चों को तीन चरणों में निशुल्क प्रवेश दिलाया जाएगा। निशुल्क प्रवेश के लिए बच्चों के अभिभावकों को विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग बच्चे या एचआईवी और कैंसर से पीड़ित माता पिता के बच्चे पात्र होंगे। इसके अलावा ऐसे परिवार के बच्चे भी शामिल हो सकते हैं जिनकी वार्षिक आय एक लाख तक है। निराश्रित और बेघर बच्चे भी इसमें पात्र रहेंगे। ई-लॉटरी के माध्यम से इन बच्चों का चयन किया जाएगा। नर्सरी में 3 से 4 वर्ष और एलकेजी में 4 से 5, यूकेजी में 5 से 6 तथा कक्षा में 6 से 7 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे नामांकन करा सकते हैं। शासन के तरफ से चयनित बच्चों की आर्थिक सहायता भी की जाएगी। वर्दी, किताब, बैग, जूते- मोजे के लिए प्रत्येक बच्चे के अभिभावक के खाते में पांच हजार की एक मुश्त धनराशि भेजी जाएगी। इसके अलावा संबंधित विद्यालय की फीस का भुगतान अधिकतम प्रतिमाह 450 रुपये की दर से 5400 रुपये सालाना भुगतान शासन स्तर से किया जाएगा। बीएसए अनूप कुमार ने बताया कि आरटीई के तहत दो फरवरी से 16 फरवरी तक प्रथम चरण का ऑनलाइन आवेदन होगा।

ब्राह्मण महासभा परिसर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन

बस्ती। राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा द्वारा मालवीय मार्ग स्थित ब्राह्मण महासभा परिसर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ल ने कहा कि यह खिचड़ी सामाजिक समरसता का असली उदाहरण है,इस खिचड़ी के माध्यम से भारत का सर्व समाज एक साथ जुड़ता है। संस्थापक राष्ट्रीय महामंत्री शम्भू नाथ मिश्र ने कहा कि खिचड़ी तो एक बहाना है समस्त सनातनी समाज को एक साथ लाना है, आज हम ब्राह्मणों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है सदियों से ब्राह्मण ने सर्व समाज का मार्गदर्शन किया है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज समाज को तोडने बांटने की साजिश राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है हमारे पूर्वजों ने समाज संचालन की मजबूत संरचना का निर्माण किया था जो सबसे बुद्धिमान और विद्वान थे वह ब्राह्मण थे जिन्होंने ने कर्म के अनुसार समस्त समाज को उचित और सम्मानित स्थान दिया था सभी कार्य महत्वपूर्ण थे।

भारतीय किसान यूनियन की पदयात्रा शुरू,10 फरवरी को करेंगे महापंचायत

लखनऊ,(संवाददाता)। भारतीय किसान यूनियन (भानू गुट) की किसान क्रांति पदयात्रा रविवार सुबह करीब 11 बजे गोसाईगंज ब्लॉक से शुरू हुई। भानु गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने यात्रा को हरी झंडी दिखाई। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा की अगुवाई में यह यात्रा अमेठी, गंगागंज, बहरौली, हरदोइया बाजार होते हुए नगराम पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। पहले दिन किसान लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करेंगे। यह पदयात्रा 10 फरवरी को पीजीआई इलाके की वृंदावन योजना मैदान में आयोजित विशाल किसान महापंचायत के बाद समाप्त होगी। यात्रा का उद्देश्य किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ना है। सुबह से ही गोसाईगंज ब्लॉक क्षेत्र में हजारों किसानों का जमावड़ा शुरू हो गया था। हाथों में झंडे, बैनर और तख्तियां लिए किसानों ने जय जवान-जय किसान और किसान एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। यात्रा के मार्ग में ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों और किसान समर्थकों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पदयात्रा में प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा, मंडल महासचिव जगदीश द्विवेदी, मंडल मीडिया प्रभारी मुकेश द्विवेदी, लखनऊ जिलाध्यक्ष अनुरेन्द्र कुमार अन्नू, प्रदेश प्रवक्ता अनिल वर्मा, मंडल अध्यक्ष मोनिष खान, पंकज बाजपेई समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और हजारों किसान शामिल रहे। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा ने कहा कि यह यात्रा किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई है।

अग्रकुल महिलाओं ने देखी 'मर्दानी 3' फिल्म

ग्वालियर। अग्रकुल महिला समिति द्वारा अपने सभी सदस्यों के लिए महिला प्रधान फिल्म 'मर्दानी 3' का विशेष मूवी शो शनिवार को आयोजित किया, जिसमें 80 सदस्यों ने यह फिल्म देखी। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक साथ जोड़ना, मनोरंजन के साथ प्रेरणा देना और सशक्तिकरण का संदेश देना रहा। आयोजन की संयोजक सोनिया अग्रवाल रहीं। कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाने के लिए सरप्राइज गेम्स भी रखे गए, जिनमें किरण अग्रवाल, वंदना अग्रवाल और स्नेहा अग्रवाल विजेता रहीं। इस अवसर पर समिति की संस्थापक अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, वंदना सिंघल, अंजू अग्रवाल, आरती अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, राखी अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सीमा बंसल आदि उपस्थित रहीं।

मित्र समूह का वेलेंटाइन डे 14 को

ग्वालियर। गायक कलाकार मित्र समूह द्वारा वेलेंटाइन डे पर 14 फरवरी को प्रेम गीतों की प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन शाम 5 बजे होटल सिल्वर ओक पटेल नगर सिटी सेंटर में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजिका पूजा शर्मा, हर्षदा गोखले व हर्षिका दुबे ने दी।

निगम के विशेष शिविरों में रिकॉर्ड वसूली, 950 करदाताओं से 80.45 लाख का संपत्तिकर जमा

■ ग्वालियर

नगर निगम द्वारा शहर में चलाए जा रहे विशेष संपत्तिकर संग्रहण शिविरों का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। एक ही दिन में आयोजित शिविरों के माध्यम से 950 करदाताओं से 80 लाख 45 हजार रुपए से अधिक का संपत्तिकर वसूल किया गया। खास बात यह रही कि उन संपत्तियों से भी कर संग्रह किया गया, जिनकी विधिवत रजिस्ट्री नहीं है, लेकिन जिन पर नोटरी दस्तावेज और वैधानिक कब्जा मौजूद है।

अपर आयुक्त मुनीश सिकरवार ने बताया कि निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर के चारों विधानसभा क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए गए। इन शिविरों का संचालन उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, मुकेश बंसल,उत्तम जखेनिया, रजनीश गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया।

तालाबंदी की कार्रवाई भी की

नगर निगम द्वारा विशेष रूप से काबिज संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर संपत्ति धारकों को कर जमा करने के लिए प्रेरित किया। वहीं दक्षिण और पूर्व क्षेत्र में बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए, संपत्तिकर जमा न करने की स्थिति में तालाबंदी की कार्रवाई भी की गई, जिससे अन्य बकायेदारों में भी हड़कंप मचा।

शिविरों में नागरिकों को स्पष्ट रूप से जानकारी दी गई कि जिन संपत्तियों की रजिस्ट्री नहीं है, लेकिन जिन पर लंबे समय से वैधानिक कब्जा है और नोटरी दस्तावेज उपलब्ध हैं, उन पर भी नियमानुसार संपत्तिकर जमा किया जा सकता है। इस पहल का सकारात्मक असर यह रहा कि लगभग 500 से अधिक ऐसे संपत्ति धारकों ने अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर संपत्तिकर जमा किया, जिनके पास अब तक रजिस्ट्री नहीं थी।

इनका कहना है

इस तरह के विशेष शिविर आगे भी जारी रहेंगे। प्रशासन का उद्देश्य न केवल राजस्व बढ़ाना है, बल्कि करदाताओं को जागरूक कर शहर के विकास कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना भी है।

संघ प्रिय, निगमायुक्त

क्षेत्रवार संपत्तिकर वसूली का ब्यौरा

- क्षेत्रीय कार्यालय 4, 5, 6 से 24 लाख 81 हजार 688 रुपए
- क्षेत्रीय कार्यालय 01 एवं 07 से 5 लाख 31 हजार 053 रुपए
- क्षेत्रीय कार्यालय 10 से 1 लाख 66 हजार 284 रुपए
- क्षेत्रीय कार्यालय 12 एवं 4 से 3 लाख 73 हजार 645 रुपए
- वार्ड 11 से 1 लाख 12 हजार 998 रुपए
- वार्ड 17 से 21 लाख 02 हजार 448 रुपए
- वार्ड 18 से 3 लाख 01 हजार 929 रुपए
- वार्ड 39 से 5 लाख 99 हजार रुपए
- वार्ड 7, 8, 15 से 2 लाख 09 हजार 769 रुपए
- वार्ड 6, 9, 10 से 76 हजार 719 रुपए
- वार्ड 51, 58, 59 से 4 लाख 89 हजार 651 रुपए
- वार्ड 61, 62, 63, 64 से 8 लाख 12 हजार 403 रुपए

अब गदाईपुरा की सड़क धंसी

ग्वालियर। शहर में घटिया सड़क निर्माण के कारण एक के बाद एक सड़क धसकने से सुरंग दिखाई देने के मामले सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को ग्वालियर विधानसभा के गदाईपुरा में बीच सड़क पर बड़ा सुराख हो गया। गदाईपुरा संजय नगर में सड़क धसकने की जानकारी मिलने पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा मौके पर जा पहुंचे और प्रदर्शनकर विरोध दर्ज कराया। शर्मा ने कहा कि यह बेहद निंदनीय है कि शहर में लगातार सड़कों पर सुरंग निकल रही है। पहले चेतकपुरी, सागरताल रोड, नदी गेट पर फिर ग्वालियर विकास प्राधिकरण ऑफिस के सामने और अब संजय नगर में सुरंग निकलना बताता है कि नगर निगम में किस तरह घटिया सड़क निर्माण कराया जा रहा है। इन्हीं गड्ढों की वजह से रोज लोग चोटिल हो रहे है। उन्होंने शासन व प्रशासन को चेतावनी दी कि जनता के जीवन से खिलवाड़ बंद करे नहीं तो जंगी आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में रामनरेश शर्मा ,नीतेश बाथम नीतेश सिंह, बालकिशन राठौर, सुनील प्रजापति, मोनू राठौर भोलू शर्मा, भीष्म भदौरिया राजेन्द्र सिंह राठौर आदि शामिल रहे।

स्वास्थ्य शिविर का 360 मरीजों ने लिया लाभ, डेथ बॉडी फ्रीजर का लोकार्पण

ग्वालियर। सिंधु सोशल एंड कल्चरल सोसाइटी द्वारा पूर्व अध्यक्ष स्व. राजेश बनवारी की स्मृति में संस्था के 24वें स्थापना दिवस पर शनिवार को चेम्बर भवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 360 मरीजों ने इसका लाभ लिया। शिविर में सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली के डॉ. लक्ष्मीकांत तोमर न्यूरोलॉजी, डॉ. नरेश बंसल लीवर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, डॉ. अभिनव गुलियानी चेस्ट फिजिशियन, डॉ. अनीता गंगेर ने अपनी सेवाएं दीं। जिसमें कई जांचों को नि:शुल्क कर दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही मानवता की सेवा में डेथ बॉडी फ्रीजर का भी लोकार्पण किया। जबकि पिछले वर्ष संस्था द्वारा वैकुंठ रथ शव वाहिका का लोकार्पण किया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विशिष्ट अतिथि, विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, जीएल भोजवानी, संस्था के अध्यक्ष राजेश वाटवानी, महासचिव डॉ. अशोक जैसवानी, सचिव रोशन गाबरा, डॉ.सीपी लाडकानी आदि उपस्थित रहे।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर दिनदहाड़े चोरी, फुटेज में दिखी संदेही महिला

■ ग्वालियर

एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर में चोरों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया है। जिस समय घटना हुई इंजीनियर घर में लैपटॉप पर काम कर रही थी, जबकि काम वाली बाई सफाई कर रही थी। इसी बीच बेडरूम की ड्रेसिंग के दराज से चोर उनका बैग उठाकर ले गया। घटना का पता कुछ देर बाद चला जब इंजीनियर को बैग की जरूरत पड़ी तो बैग गायब था। घटना शनिवार सुबह गोला का मंदिर की है। पुलिस ने वहां पर लगे सीसीटीवी खंगाले तो एक महिला चुपचाप घर में आते और जाते नजर आ रही है। पुलिस अब इस संदेही की तलाश में जुट गई है।

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के सीताराम कॉलोनी निवासी वंशिता दुबे पत्नी आकाश भार्गव पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। सुबह वंशिता के पति आकाश मॉर्निंग वॉक पर गए थे। घर का मुख्य दरवाजा खुला था क्योंकि उस समय कामवाली बाई सफाई कर रही थी। वंशिता दूसरे कमरे में लैपटाप पर काम में व्यस्त थीं। उन्होंने अपना हैंड बैग बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल की दराज में रखा हुआ था। कुछ देर बाद जब वंशिता को बैग की जरूरत पड़ी और उन्होंने दराज खोला तो वह खाली मिला और बैग गायब था। इसकी सूचना पुलिस को दी पुलिस ने कामवाली बाई से पूछताछ की लेकिन पूछताछ में कोई जानकारी नहीं मिली। बैग में कुछ कैश, डेबिड व क्रेडिट कार्ड रखे हुए थे।

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी

इस मामले में पुलिस ने जब सीसीटीवी खंगाले तो एक अनजान संदेही महिला घर में घुसती दराज से हैंड बैग उठाती और चुपचाप बाहर निकलती नजर आई है। वही पुलिस ने फुटेज के आधार पर संदेही महिला के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

छात्राओं को विषय चयन और कॅरियर के संबंध में दी जानकारी

■ ग्वालियर

शासकीय सांदीपनि कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्वालियर में 27 जनवरी से संचालित पांच दिवसीय करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का समापन शनिवार को किया गया। करियर काउंसलिंग सत्रों के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने विद्यालय की छात्राओं को कक्षा 10 वीं के बाद विषय चयन के दौरान ध्यान रखे जाने वाली महत्वपूर्ण बातों और कक्षा 12वीं के बाद संबंधित विषय में उच्च शिक्षा के लिए महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर उपलब्ध विभिन्न पारंपरिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गयी। शिक्षा समाप्ति के बाद छात्राएं निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में किस प्रकार अपना रोजगार स्थापित कर आत्म निर्भर बन सकती हैं इस बारे में भी महत्वपूर्ण बातें विद्वानों ने छात्राओं को बताईं। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी बनने के लिए आगे की रणनीति किस प्रकार बनाएं और उस पर किस प्रकार काम कर राज्य और संघ स्तर के पद पर पहुंचे इस बारे छात्राओं को जानकारी दी गयी। सत्रों को भीमराव अंबेडकर पॉलीटेक्निक कॉलेज के विषय विशेषज्ञ रोहित शिवहरे, सुश्री नीतू धवन, बिरला नगर शासकीय आईटीआई के विजय साद एवं नरेंद्र साहू, विक्रांत विश्वविद्यालय के रोहित गुप्ता और सुश्री जसप्रीत कौर समीक्षा एकेडमी से जगदीश चौरसिया, विनोद शर्मा, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मनोरमा नायक और शिक्षिका श्रीमती अर्चना सगर ने विद्यार्थियों को कॅरियर के विकल्पों के बारे में बताया।

शहर में 90 लाख में बनेंगे 18 स्मार्ट फिश पार्लर

प्रत्येक हितग्राही को शासन देगा पांच लाख की मदद

ग्वालियर। राज्य सहायता मुख्यमंत्री मछुआ समृद्ध योजना के तहत शहर में 18 स्मार्ट फिश पार्लर खोले जाएंगे। इन पार्लर को खोलने के लिए सरकार की ओर से 90 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। हितग्राही को इसमें महज 10 प्रतिशत का योगदान देना होगा। इस फिश पार्लर में सभी सुविधाएं रहेंगी, साथ ही मछली आदि भी दुकान के अंदर बेची जाएंगी जिससे प्रदूषण का खतरा भी खत्म हो जाएगा। प्रत्येक स्मार्ट फिश पार्लर के लिए शासन द्वारा 5 लाख रुपए की राशि निर्धारित की गई है। इस राशि में हितग्राही को फिश पार्लर तैयार करने के लिए 3.50 लाख रुपये एवं आईस कोल्ड डिस्प्ले तैयार करने के लिए 1 लाख रुपये एवं 50 हजार रुपये ड्रेसिंग प्लेटफार्म तैयार करने के लिए दिए जाएंगे। इस पूरी योजना में हितग्राही को 10 प्रतिशत का अंशदान करना होगा। इसके साथ ही फिश पार्लर का मासिक शुल्क 1000 रुपए रहेगा। इसके साथ ही धरोहर राशि दुकान खाली करने पर वापस कर दी जाएगी। नगर निगम के माध्यम से शहर में स्मार्ट फिश पार्लर का निर्माण किया जाएगा।

निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

■ ग्वालियर

मेहगांव तहसील अंतर्गत डबरा क्षेत्र में वीआईएसएम हॉस्पिटल द्वारा शनिवार को एक निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र रोग परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप जांच, शुगर जांच के साथ-साथ नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा आंखों की विस्तृत जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। आंखों से संबंधित समस्याओं से पीड़ित मरीजों को उचित सलाह दी गई तथा आवश्यक होने पर आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन भी किया गया। चिकित्सकों द्वारा शिविर में आए जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। वहीं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को उच्च स्तर के उपचार हेतु संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करने की सलाह दी गई, ताकि समय पर समुचित इलाज मिल सके। वीआईएसएम हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी सोच के तहत भविष्य में भी इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

मेला सड़क पर कब्जा जमाए हुए हैं हाथ ठेला और फड़ वाले

■ ग्वालियर

ग्वालियर व्यापार मेला की सड़कों पर हाथ ठेला और फड़ वालों का कब्जा है। स्थिति यह है कि मेले में सैलानियों का चलना मुश्किल हो रहा है। इस संबंध में मेला व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमण्डल ने शनिवार को संभागायुक्त मनोज खत्री, मेला प्रभारी अतुल सिंह, मनीष यादव एवं मेला सचिव एसके त्रिपाठी को ज्ञापन दिया है। जिसमें कहा गया है कि मेले में अवैध ठेलों और फड़ वालों का बीच सड़क पर कब्जा है। जिससे सैलानियों को परेशानी तो हो रही है वहीं व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। मनोरंजन और झूला सेक्टर में हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। विषम परिस्थिति में यहां फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस का पहुंचना भी मुश्किल है। अतः ठेलों एवं फड़ वालों को यहां से तत्काल हटाकर निर्धारित हॉकर्स जोन में भेजा जाए। प्रतिनिधि मण्डल में मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भदकारिया, सचिव महेश मुदगल, संयुक्त अध्यक्ष अनिल पुनियानी, जगदीश उपाध्याय आदि शामिल हैं।

मेले में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आज

ग्वालियर व्यापार मेले में एक फरवरी को शाम 7 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि वेदव्रत वाजपेयी, लखनऊ, डॉ. विष्णु सक्सैना हाथरस, जानी बैरागी धार, डॉ. कीर्ति काले दिल्ली, दिनेश दिग्गज उज्जैन, गौरव चौहान इटावा, सुश्री श्वेता सिंह गोरखपुर, डॉ विनम्र सेन सिंह प्रयागराज, अमित शुक्ला रीवा, डॉ. रामकिशोर उपाध्याय ग्वालियर, रविन्द्र रवि एवं ज्योति दिनकर अपनी कविताओं का पाठ करेंगे।

'एकता, संस्कार और राष्ट्रबोध का महोत्सव है हिन्दू सम्मेलन'

■ ग्वालियर

हिंदू सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और आत्मगौरव को सशक्त करने का अभियान है। यह एकता, संस्कार और राष्ट्रबोध का महोत्सव है। यह बात लाल टिपारा गौशाला के संत ऋषभ देवानंद महाराज ने बरई खंड के रौरा मंडल में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग के सह बौद्धिक प्रमुख लोकेन्द्र सिंह कामर, विशेष अतिथि बाल कल्याण समिति ग्वालियर की सदस्य मनीषा शर्मा रहीं। वक्ताओं ने पंच परिवर्तन- सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व बोध, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए एकजुटता, संस्कारों की लौ जलाने एवं सनातन मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हिंदू समाज संगठित और संस्कार के सूत्र में दृढ़ता से बंध रहा है। इसका जीवंत उदाहरण यहां उपस्थित जनसमूह की सहभागिता और उत्साहपूर्ण वातावरण है। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती के बाद समरसता भोज के साथ हुआ। संचालन अभिभाषक शैलेन्द्र सिंह ने एवं आभार गिर्राज सिंह गुर्जर ने व्यक्त किया।

जीविवि में भारतीय इतिहास में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर संगोष्ठी 3 फरवरी से

ग्वालियर। जीविवि के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययन शाला और नोडल केंद्र भारतीय ज्ञान परंपरा के संयुक्त तत्वाधान में 3-4 फरवरी को भारतीय इतिहास में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होने जा रहा है। आयोजन सचिव डॉ. शांतिदेव सिसोदिया ने बताया कि उद्घाटन 3 फरवरी को सुबह 11.30 बजे गालव सभागार में होगा। जिसके मुख्य अतिथि भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. ओम जी उपाध्याय होंगे। अध्यक्षता जीविवि के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य करेंगे। बीज वक्ता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु डॉ. कपिल देव मिश्र एवं काश फाउंडेशन मुंबई के संस्थापक और सेंट जेवियर्स कॉलेज में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अवकाश जाधव होंगे। समापन समारोह 4 फरवरी को प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला में अपरान्ह 1 बजे होगा। जिसकी मुख्य अतिथि उप्र राज्य पुरातत्व विभाग की निदेशक रेनू द्विवेदी होंगी। अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य करेंगे। विशिष्ट अतिथि जीविवि के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा होंगे। प्रो. सिसोदिया ने कहा कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य भी भारतीय इतिहास में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विषयों पर गहन विचार-विमर्श करना तथा परंपरागत ज्ञान एवं आदर्शों को समाज में पुनर्स्थापित करने का सफल प्रयास करना है।

रामकृष्ण मिशन आश्रम में शुभेच्छा समारोह आयोजित

ग्वालियर। रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्वालियर में शुभेच्छा समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, कविता पाठ, भजन और गीत प्रस्तुत किए। स्वामी कृष्णमृतानंद महाराज ने विद्यार्थियों को समय प्रबंध और कठिन परिश्रम के महत्व के बारे में बताया। पीसी उपाध्याय और शुभाश्री साठे ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अगले चरण में आदित्य शर्मा, ध्रुव पाराशर, यशिका नामदेव और गौरी पाल को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वामी ब्रह्मायोगानंद महाराज, एके दीक्षित, डॉ. विजय शर्मा, अर्पिता मुखर्जी आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुत्व की हुंकार थे महादजी शिन्दे

■ ग्वालियर

श्रीनाथ महादजी शिन्दे एक अद्वितीय पराक्रमी महायोद्धा थे। महादजी महाराज न केवल अपने महान कार्यों से अपने कुल, जाति और जन्मभूमि का गौरव बढ़ाया बल्कि उन्होंने राजनीति, क्षेत्रीय मामलों, जातिगत समीकरणों, सामाजिक हितों एवं धार्मिक सिद्धांतों से सदैव राष्ट्र हितों व देशोपयोगी कार्यों को प्राथमिकता दी। उनके द्वारा किए गए कार्य हिन्दुत्व की परिभाषा थे। यह बात लेखक नीलेश ईश्वरचन्द्र करकरे ने श्रीनाथ महादजी भक्त मण्डल के तत्वावधान में महायोद्धा श्रीनाथ महादजी शिन्दे महाराज की 232वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य वक्ता की आसंदी से व्यक्त किए।

श्रद्धांजलि सभा में स्वामी ऋषभ देवानंद, जयराम हरि पुरंदरे, साहित्यकार मंदाकिनी शर्मा, निशीकांत मोघे सहित मुम्बई से ऑनलाइन जुड़े श्रीनाथ महादजी भक्त मण्डल के संरक्षक अनिल सदाशिवराव इंदुलकर ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में हेमांन्या राजे करकरे, स्वराज महाडिक, प्रज्ञानराज प्रभु, इधान्त महरोत्रा, उत्कर्ष बंसल, श्रीहान गरुड़ ने मराठी वीर रस का गीत पोवाड़ा की मनमोहक प्रस्तुति दी। संचालन केके पाण्डे एवं आभार डॉ. अंकित अग्रवाल ने व्यक्त किया।

मुरम ले जाती ट्रैक्टर-ट्रॉली और गिट्टी से भरा डंपर जब्त

अवैध खनिज परिवहन पर शिकंजा

■ ग्वालियर

जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई लगातार तेज की जा रही है। खनिज विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर सख्त चेकिंग अभियान चलाते हुए अवैध रूप से खनिज ले जा रहे वाहनों को पकड़कर जब्त किया है।

सहायक खनिज अधिकारी रमाकांत तिवारी के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा जिले के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में चेकिंग प्वाइंट लगाए गए। इस दौरान वाहनों के दस्तावेजों और खनिज परिवहन से संबंधित अनुमति पत्रों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान महाराजपुरा थाना क्षेत्र में खनिज मुरम का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। वाहन के पास खनिज परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही जब्त कर महाराजपुरा थाना की अभिरक्षा में सौंप दिया गया।

इसी तरह दूसरी कार्रवाई बिजौली क्षेत्र के पास की गई, जहां खनिज विभाग की टीम ने गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एक डंपर को पकड़ा। जांच में डंपर चालक वैध रॉयल्टी पर्ची और अनुमति पत्र नहीं दिखा सका। इसके चलते डंपर को भी जब्त कर संबंधित थाना की अभिरक्षा में रखा गया है।

खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार जब्त किए गए वाहनों के खिलाफ मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। नियमानुसार जुर्माना और अन्य दंडात्मक कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाएगी।

रेडियंट स्कूल की छात्राओं का सम्मान

ग्वालियर। बेटी है, तो कल है सामाजिक संस्था द्वारा द रेडियंट स्कूल जूनियर विंग की मेधावी छात्राओं का सम्मान डॉ. वंदना शर्मा और भूपेंद्र प्रेमी ने किया। सम्मान का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना रहा। तथा समाज में उनके महत्व को उजागर करना था।

मंत्र भारत

ग्वालियर -सोमवार,02 फरवरी 2026

संपादकीय

धुंध के उस पार जीवन सुरक्षित

पुणे से संचालित एक विशेष वैज्ञानिक अभियान विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट यानि वाईफैक्स जो कोहरे को केवल महसूस नहीं करता, बल्कि उसे मापता है, समझता है और पहले से भांपने की कोशिश करता है। विंटर फॉग एक्सपेरिमेंट जानने की कोशिश करता है कि कोहरा कैसे बनता है, कब सबसे घना होगा, कितनी देर टिकेगा और किस वक्त छंटेगा। यह अध्ययन सिर्फ मौसम वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं है। यह उन पायलटों के लिए उपयोगी जानकारी है जिन्हें कम दृश्यता में उड़ान भरनी होती है। उन ट्रैफिक और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लिए अहम है, जिनके लिए एक गलत अनुमान बड़े हादसे में बदल सकता है और उन नीति-निमार्ताओं के लिए जरूरी है जो खराब मौसम के प्रभाव को पहले से समझना चाहते हैं। इसी वैज्ञानिक सोच और दूरदृष्टि का केंद्र है, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिरियोलॉजी यानी आईआईटीएम), पुणे। हाल ही में पीआईबी चंडीगढ़ की महिला पत्रकारों का एक समूह पीआईबी पुणे और पीआईबी मुंबई के साथ आईआईटीएम के दौरे पर पहुंचा तो वाईफैक्स के अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। इस प्रयोग के जरिये कोहरे का 85 प्रतिशत तक सटीक पूवार्नुमान किया जाता है। दृश्यता यानि विजिबिलिटी की बेहतर जानकारी के जरिये हवाई और सड़क यातायात को राहत दी जा रही है। वाईफैक्स बीते कुछ सालों में बादल, बिजली और तूफान की भाषा बखूबी समझने लगा है। आईआईटीएम की स्थापना 17 नवंबर 1962 को पुणे के रामदुर्ग हाउस में हुई थी। शुरूआत में यह संस्थान भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अंतर्गत कार्य करता था और इसे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) का सहयोग प्राप्त था। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और 1971 में स्वायत्त दर्जा मिला। 1985 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत था। 2006 से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन है। आज आईआईटीएम भारत का प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है, जहां उष्णकटिबंधीय मौसम और जलवायु पर बुनियादी और अनुप्रयुक्त शोध किया जाता है। यानी महासागर, वायुमंडल,जलवायु प्रणाली पर मूलभूत शोध के जरिये मौसम और जलवायु पूवार्नुमानों को बेहतर बनाने का काम कर रहा है आईआईटीएम। यहां किया गया शोध केवल अकादमिक नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा असर कृषि और जल प्रबंधन,आपदा चेतावनी प्रणाली,परिवहन और शहरी जीवन,आम नागरिकों की सुरक्षा पर दिखाई देता है। आईआईटीएम में इसके अलावा क्लाउड फिजिक्स एंड डायनामिक्स, तूफान (थंडरस्टॉर्म फॉरकास्टिंग), कृत्रिम वर्षा (क्लाउड सीडिंग) जैसे विषयों पर भी शोध होता है। यानी यह समझने की कोशिश की जाती है कि बादल कैसे बनते हैं, बिजली क्यों गिरती है और तूफान कैसे विकसित होते हैं। भारत में मौसम का मतलब मानसून है और आईआईटीएम में मानसून केवल एक मौसम नहीं, बल्कि लगातार अध्ययन का विषय है। यहां मानसून का अल्पकालिक पूवार्नुमान, मौसमी पूवार्नुमान, एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट, मानसून की परिवर्तनशीलता और अनिश्चितता का अध्ययन कर सूचना आईएमडी को भेजी जाती है। कब बारिश शुरू होगी, कितनी होगी, सूखा पड़ेगा या बाढ़ आएगीकृइन सवालों के पीछे आईआईटीएम के वर्षों के डेटा और विश्लेषण हैं। आईआईटीएम में मौसम का अनुमान अनुभव से नहीं, बल्कि न्यूमेरिकल वेदर प्रिडिक्शन यानी एनडब्ल्यूपी से लगाया जाता है। इस खास प्रक्रिया में देश-दुनिया से मौसम का डेटा, डेटा असिमिलेशन, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर पर मॉडल रन करना, पूवार्नुमान और चेतावनी जारी करना शामिल जैसे कई चरण शामिल है। यही एनडब्ल्यूपी तकनीक चक्रवात, भारी बारिश और चरम मौसम की समय रहते जानकारी देती है। बढ़ते शहरी प्रदूषण को देखते हुए आईआईटीएम ने विकसित किया सफर (एसएएफएआर) सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च। यह प्रणाली रियल-टाइम वायु गुणवत्ता डेटा निकालती है। प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभाव का अध्ययन करती है और प्रशासन और नीति-निमार्ताओं को निर्णय में सहायता भी प्रदान करती है। आईआईटीएम की ताकत उसकी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं- हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम,डॉप्लर रडार, एक्स बैंड राडार, सी बैंड राडार का बैंड राडार (एक्स,सी और के बैंड राडार), मोबाइल लिडार (एलआईडीएआर), विंड फ्रोफाइलर, हाइपर स्पेक्ट्रल माइक्रोवेव रेडियोमीटर, हाइपर-स्पेक्ट्रल उपकरण, महाबलेश्वर स्थित हाई-एल्टीट्यूड ऑब्जर्वेटरी व स्थानीय शोध शामिल है। आईआईटीएम में जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैसों और महासागर-वायुमंडल अंतःक्रिया जैसे विषयों पर किया गया शोध पानी, खेती, स्वास्थ्य, संचार व आपदा प्रबंधन तक असर डालता है। 1962 में शुरू हुआ यह संस्थान आज उस मुकाम पर है,जहां मौसम की चुनौती को केवल स्वीकारा नहीं जाता, समझा जाता है, पढ़ा जाता है और संभाला जाता है। जब अगली बार घना कोहरा आपकी सुबह को रोक दे, या मानसून समय पर दस्तक दे या किसी चक्रवात से पहले चेतावनी मिले तो याद रखिए, पुणे में कहीं बैठा आईआईटीएम धुंध के उस पार देखकर आपके आज और आने वाले कल को सुरक्षित बनाने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा कैसे कर रही हरियाणा से पंजाब के लिए अपनी रणनीति का पुनर्निर्माण

क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

मोनिका मलिक

पंजाब में अगला विधानसभा चुनाव अभी दूर है लेकिन राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आना शुरू हो गया है। विरोध प्रदर्शनों, कानून व्यवस्था पर बहसों और केंद्र-राज्य की खींचतान के बीच, भारतीय जनता पार्टी एक दूरदर्शी पार्टी के धैर्य के साथ चुपचाप अपनी पंजाब रणनीति को नए सिरे से तैयार कर रही है। इस पुनर्समायोजन के केंद्र में एक तेजी से उभरता

हुआ और सावधानीपूर्वक स्थापित व्यक्तित्व है- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। एक सामान्य पर्यवेक्षक के लिए, पंजाब में सैनी की लगातार उपस्थिति सामान्य या प्रतीकात्मक प्रतीत हो सकती है। हालांकि, भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति पर नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों के लिए, यह पार्टी के पंजाब संबंधी दृष्टिकोण को नया रूप देने का एक सुनियोजित प्रयास है। पंजाब में भाजपा की वर्तमान हाशिए की स्थिति अक्सर उसके जटिल चुनावी सफर को छिपा देती है। 2007 और 2012 में, पार्टी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सहयोगी के रूप में सत्ता में मजबूती से स्थापित थी, महत्वपूर्ण विभागों पर उसका नियंत्रण था और अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पठानकोट और होशियारपुर जैसे शहरी, हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में उसका दबदबा था। शिअद का ग्रामीण सिख बहुल क्षेत्रों में दबदबा था। भाजपा ने सिख राजनीतिक नेतृत्व को चुनौती दिए बिना उसका समर्थन किया। 2022 के विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन का टूटना महंगा साबित हुआ। पंजाब लोक कांग्रेस और शिअद (संयुक्त) के साथ एन.डी.ए. गठबंधन में 73 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए भाजपा को केवल 2 सीटेंमिलीं। फिर भी, इस निराशाजनक परिणाम ने एक महत्वपूर्ण तथ्य को छिपा दिया, जिस पर पार्टी के रणनीतिकार लगातार जोर देते हैं। भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गया, जो उसके पिछले अकेले चुनाव प्रदर्शन से 1.2 प्रतिशत अंक अधिक है। 2024 के लोकसभा चुनावों में यह रुझान और भी स्पष्ट हो गया। हालांकि भाजपा एक भी संसदीय सीट जीतने में असफल रही (2019 में 2 सीटों की तुलना में) लेकिन उसका वोट शेयर 9.63 प्रतिशत से बढ़कर 18.56 प्रतिशत हो गया, जो 5 वर्षों में लगभग 9 प्रतिशत अंकों की वृद्धि है। पार्टी तीन लोकसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रही और 23 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। केवल 2 विधायकों वाली पार्टी के लिए ये आंकड़े महत्वहीनता का संकेत नहीं हैं। ये भाजपा की उस समस्या को दशार्ते हैं, जिसे वह असंभावित वोट मानती है-ऐसे वोट जिनमें सीटों में परिवर्तित होने की संगठनात्मक क्षमता नहीं है। इस अंतर को पाटने के लिए, निरंतर और सांस्कृतिक रूप से अनुकूलित जनसंपर्क के माध्यम से, नायब सिंह सैनी की भूमिका सामने आती है। भाजपा के लिए सैनी सिर्फ एक कैंपेनर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपत्ति हैं। हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद उनका उदय हुआ, जिससे पार्टी के अंदर उनकी स्थिति मजबूत हुई है। हालांकि, पंजाब में उनकी प्रासंगिकता पहचान और छवि के मेल में है, जिसे भाजपा महत्वपूर्ण मानती है। वह सैनी समुदाय से हैं, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) में वर्गीकृत किया गया है। भाजपा एक व्यापक सामाजिक एकजुटता रणनीति के हिस्से के रूप में गैर-जाट ओ.बी.सी. समूहों को सक्रिय रूप से लुभा रही है। पंजाब में, हिंदू ओ.बी.सी. मतदाता एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, विशेषकर कुछ खास इलाकों में, जिससे यह पहुंच राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भाजपा रणनीतिकारों द्वारा सैनी की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि को भी समान रूप से उजागर किया गया है। उनकी मां सिख समुदाय से हैं, साथ ही पंजाबी सांस्कृतिक प्रतीकों को लगातार अपनाने पर भी जोर दिया गया है। पंजाब में पगड़ी पहनना, गुरुद्वारों का दौरा, पंजाबी बोलियों में सहजता, और सिख धार्मिक स्थलों के साथ स्पष्ट जुड़ाव को सिख और पंजाबी ड्डूहदू दोनों समुदायों के बीच पुल के रूप में पेश किया जा रहा है। पंजाब में सैनी की गतिविधियां बेतरतीब नहीं रहीं। उनकी पहुंच हरियाणा से सटे सीमावर्ती और अर्ध-सीमावर्ती जिलों, जिनमें जीरकपुर, डेरा बस्सी, संगरूर और सुनाम शामिल हैं और दोआबा तथा पुआध क्षेत्रों के कुछ हिस्सों तक केंद्रित रही है। इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय ओ.बी.सी. आबादी है और पड़ोसी हरियाणा के साथ लंबे समय से सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। पारंपरिक पोशाक में उनकी उपस्थिति, गुरुद्वारा कार्यक्रमों में भागीदारी और सिख धार्मिक समारोहों में उपस्थिति को सम्मान के संकेत के रूप में पेश किया जाता है। सांझा इतिहास और रिश्तेदारी के संदर्भ अक्सर पंजाब को बड़ा भाई बताते हुए, राजनीतिक कड़वाहट को कम करने के लिए सावधानी से चुने जाते हैं। एस.वाई.एल. नहर या चंडीगढ़ की स्थिति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी, सैनी का लहजा टकराव वाला नहीं, बल्कि सुलह वाला रहा है। भाजपा की पंजाब रणनीति हरियाणा में सैनी के शासन को दिखाने पर भी बहुत अधिक निर्भर करती है। हरियाणा सरकार का 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों के परिवारों को नौकरी देने का फैसला, सिख गुरुओं की याद में लैजिस्लेटिव कार्यक्रम और लाडो लक्ष्मी योजना जैसी कल्याण योजना, जिसमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए देने का वादा किया गया है, इन्हें ठोस प्रशासनिक नतीजों के तौर पर पेश किया जा रहा है। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने 2022 में महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए देने का वादा किया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। भाजपा कांग्रेस से आयात की दिशा से आगे बढ़ रही रू आंतरिक रूप से, सैनी की प्रमुखता एक बदलाव का संकेत भी देती है। पिछले कुछ वर्षों में, भाजपा की पंजाब इकाई में उन नेताओं का दबदबा रहा है, जो कांग्रेस या सहयोगी दलों से आए थे-जैसे कैप्टन अमरिंदर सिंह और सुनील कुमार जाखड़। इसके विपरीत, सैनी पंजाब में बिना किसी पूर्वाग्रह या गुटबाजी के भाजपा के स्वदेशी नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके उदय से पार्टी को आयातित नेताओं पर निर्भरता की बजाय एक स्वाभाविक नेतृत्व की छवि प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। बहुत कम लोगों को उम्मीद है कि 2027 में भाजपा पंजाब में बहुमत हासिल कर पाएगी। ग्रामीण मालवा में संगठनात्मक कमियां अभी भी बनी हुई हैं और सिखों का राजनीतिक संशय भी कायम है। फिर भी, चुनाव समीकरणों को नया रूप देने का भी जरिया हैं। अगर भाजपा ओ.बी.सी. समर्थन को मजबूत कर पाती है, शहरी हिंदू वोट बैंक को बरकरार रख पाती है और दोआबा और सीमावर्ती इलाकों में विरोध को कम कर पाती है, तो वह एक महत्वपूर्ण तीसरी शक्ति के रूप में उभर सकती है। मामूली बढ़त भी पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है और गठबंधन के समीकरण को बदल सकती है। पंजाब में शॉर्टकट को शायद ही कभी बढ़ावा दिया गया है। भाजपा धैर्य की रणनीति अपना रही है, जहां सांस्कृतिक जुड़ाव महत्वाकांक्षा से पहले आता है और शासन की दिखावट बयानबाजी से पहले। इस ढांचे में, सैनी पार्टी के सबसे प्रमुख और सोच-समझकर इस्तेमाल किए गए हथियार के रूप में उभरे हैं।

यू.जी.सी. नियमों को लेकर हंगामे के पीछे क्या कोई गहरी साजिश है?

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार संसद द्वारा कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ही इस हंगामे के लिए मूलतरू जिम्मेदार है, जिसने शायद धतूरा खाकर वकील इंदिरा जयसिंह द्वारा तैयार रिपोर्ट को बिना किसी गंभीर विचार किए दस्तखत करके शिक्षा मंत्रालय को भेज दिया। ज्ञातव्य हो कि इस कमेटी में हर पार्टी के सांसद थे और आज राजनीतिक फायदे के लिए इस कमेटी के एक भी सदस्य ने सुझाए गए नियमों पर अपनी आपत्ति दर्ज नहीं कराई और अब इनकी पाघ्टयां यू.जी.सी. नियमों के खिलाफ आंदोलन को हवा दे रही हैं। कमेटी की रिपोर्ट से भी ज्यादा मैं मानता हूं कि ज्यादा बड़ी गलती यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी की है और उससे भी बड़ी गलती मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की है, जिन्होंने अपने मंत्रालय के मातहत काम करने वाले यू.जी.सी. को देश में चल रहे यू.जी.सी. नियमों के विरुद्ध आंदोलन का मौका दिया। कमेटी, यू.जी.सी. और मानव संसाधन मंत्रालय ने अक्षम्य अपराध किया है जिससे देश भर में जातियों के बीच टकराव पैदा हो गया है। हड़तालें हो रही हैं, बंद हो रहे हैं, छात्र सड़कों पर हैं, विभिन्न जातिवादी संगठन सड़कों पर हैं और राजनीतिक पाघ्टयां तो रोटियां सेंक ही रही हैं। सरकार की गलती तो है ही लेकिन निष्क्रियता और स्तब्धता इस आंदोलन को और उग्र बना रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने वीरवार को बहुत अच्छा निर्णय देते हुए यू.जी.सी. के नए नियमों पर स्थगनादेश देकर कहा कि पुराने नियम ही लागू रहेंगे और यू.जी.सी. एवं सरकार से इन नियमों के संदर्भ में सफाई मांगी है।

राकेश शर्मा

मुझे तो यू.जी.सी. के नए नियमों के पीछे गहरी देशी-विदेशी साजिश की बू आ रही है और एक भूल या जानबूझ कर की गई गलती का राजनीतिक फायदे के लिए शोषण किया जा रहा है। सबसे पहले तो सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार संसद द्वारा कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ही इस हंगामे के लिए मूलतरू जिम्मेदार है, जिसने शायद धतूरा खाकर वकील इंदिरा जयसिंह द्वारा तैयार रिपोर्ट को बिना किसी गंभीर विचार किए दस्तखत करके शिक्षा मंत्रालय को भेज दिया। ज्ञातव्य हो कि इस कमेटी में हर पार्टी के सांसद थे और आज राजनीतिक फायदे के लिए इस कमेटी के एक भी सदस्य ने सुझाए गए नियमों पर अपनी आपत्ति दर्ज नहीं कराई और अब इनकी पाघ्टयां यू.जी.सी. नियमों के खिलाफ आंदोलन को हवा दे रही हैं। कमेटी की रिपोर्ट से भी ज्यादा मैं मानता हूं कि ज्यादा बड़ी गलती यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी की है और उससे भी बड़ी गलती मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की है, जिन्होंने अपने मंत्रालय के मातहत काम करने वाले यू.जी.सी. को देश में चल रहे यू.जी.सी. नियमों के विरुद्ध आंदोलन का मौका दिया। कमेटी, यू.जी.सी. और मानव संसाधन मंत्रालय ने अक्षम्य अपराध किया है जिससे देश भर में जातियों के बीच टकराव पैदा हो गया है। हड़तालें हो रही हैं, बंद हो रहे हैं, छात्र सड़कों पर हैं, विभिन्न जातिवादी संगठन सड़कों पर हैं और राजनीतिक पाघ्टयां तो रोटियां सेंक ही रही हैं। सरकार की गलती तो है ही लेकिन निष्क्रियता और स्तब्धता इस आंदोलन को और उग्र बना रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने वीरवार को बहुत अच्छा निर्णय देते हुए यू.जी.सी. के नए नियमों पर स्थगनादेश देकर कहा कि पुराने नियम ही लागू रहेंगे और यू.जी.सी. एवं सरकार से इन नियमों के संदर्भ में सफाई मांगी है। इस विषय पर अगली सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय में 19 मार्च तय कर दी गई है। इस निर्णय का शुरूआत में दोनों पक्षों ने हृदय से स्वागत किया, मिठाई भी बांटी गई लेकिन मुझे लगता है कि तुरंत ही राजनीतिक पाघ्टयों ने सोचा कि मोदी सरकार को घेरने का बहुत बड़ा मौका हाथ से निकल रहा है और सर्वोच्च न्यायालय के संतुलित निर्णय के बावजूद विभिन्न कारणों से इस आंदोलन को जारी रखने का फैसला कर लिया। मुझे तो लग रहा है कि इस आंदोलन में अब विदेशी टूल किट की एंट्री हो गई है, भारतीय राजनीतिक पाघ्टयां कितनी बार कह चुकी हैं कि भारत में भी सरकार बदलने के लिए बंगलादेश, नेपाल, श्रीलंका जैसा जेन-जी आंदोलन होगा और यू.जी.सी. के अनर्गल नियमों ने विपक्षियों को एक देश व्यापी आंदोलन का मौका दे दिया। जब विश्व भर में अस्थिरता चल रही है, भारत का दबदबा बढ़ रहा है, ऐसा कोई भी आंदोलन हमारी प्रगति और विकास को अवरुद्ध कर सकता है। सरकार को चाहिए कि तुरंत हस्तक्षेप कर इस आंदोलन को समाप्त करवाए, वरना आग लगवाने वाले इसे शांत नहीं होने देंगे और सरकार को अस्थिर करने के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकते रहेंगे और आंदोलन जारी रखवाने में ही अपना हित समझेंगे। देश से उन्हें कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें तो येन-केन-प्रकारेण सत्ता चाहिए। सरकार को अपनी गंभीरता दिखाते हुए और इस आंदोलन को शांत करने के लिए विश्वास दिलाना चाहिए कि किसी भी जाति का कोई भी निर्दोष फंसाया नहीं जा सकता और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सर्वप्रथम नरेंद्र मोदी को यू.जी.सी. चेयरमैन विनीत जोशी और मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त कर देना चाहिए, जिनकी लापरवाही ने सरकार को अनचाही समस्या में डाल दिया है। इसके बाद सभी जातियों के प्रतिनिधियों की एक कमेटी बनाई जानी चाहिए, जो सुझाए कि कैसे किसी भी जाति का कोई निर्दोष फंसे नहीं, दोषी बचे नहीं। कमेटी के सुझाव निष्पक्ष और निरूस्वार्थ दिखने ही नहीं, होने भी चाहिएं। आंदोलनकारियों को भी सोचना चाहिए कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने यू.जी.सी. के विवादास्पद नियम पर स्थगनादेश दे दिया है तब इस विषय का निस्तारण होने तक कोई भी आंदोलन राजनीति से ही प्रेरित है, जिसमें देशी-विदेशी ताकतों की साजिश दिखाई दे रही है। देश का हित सर्वोच्च होना चाहिए।

हिमालय क्षेत्र की बबार्दी से नेताओं को नहीं कोई सरोकार

देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार–बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देश के राजनीतिक दल देश के लोगों के लिए कितने गैरजिम्मेदार हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिमालय क्षेत्र में शोध पर आधारित दो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जानकारी के बारे में किसी ने चिंता तक जाहिर नहीं की। इन रिपोर्टों में सर्दी के मौसम में हिमालय क्षेत्र जंगलों में लगने वाली आग के कारण और भूस्खलन के नए केंद्रों की जानकारी दी गई है। दरअसल ऐसी जानकारियों को गंभीरता से लेने पर राजनीतिक दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। यही वजह है अत्यंत संवेदनशील और आम जन–जीवन को प्रभावित करने वाले पर्यावरण जेसे मुद्दे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में जगह नहीं पाते हैं। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस बार सर्दियों का मौसम शुरू होने के बाद 1 नवंबर से अब तक उत्तराखंड में देश में सबसे अधिक 1,756 फायर अलर्ट दर्ज किए गए हैं। यह संख्या महाराष्ट्र (1,028), कर्नाटक (924), मध्य प्रदेश (868) और छत्तीसगढ़ (862) जैसे उन राज्यों की तुलना में काफी ज्यादा है, जो पारंपरिक रूप से जंगल में आग के मामले में अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। आमतौर पर दिसंबर जंगल में आग के लिहाज से सबसे शांत महीना माना जाता है, लेकिन पिछले तीन सालों में उत्तराखंड के लिए यह धारणा गलत साबित हुई है। दिसंबर में उत्तराखंड में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई। जंगल की जमीन में नमी का लेवल बहुत कम है। उत्तराखंड की तरह, हिमाचल में भी पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह से कोई बारिश नहीं हुई थी।

इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देश के राजनीतिक दल देश के लोगों के लिए कितने गैरजिम्मेदार हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिमालय क्षेत्र में शोध पर आधारित दो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जानकारी के बारे में किसी ने चिंता तक जाहिर नहीं की। इन रिपोर्टों में सर्दी के मौसम में हिमालय क्षेत्र जंगलों में लगने वाली आग के कारण और भूस्खलन के नए केंद्रों की जानकारी दी गई है। दरअसल ऐसी जानकारियों को गंभीरता से लेने पर राजनीतिक दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। यही वजह है अत्यंत संवेदनशील और आम जन–जीवन को प्रभावित करने वाले पर्यावरण जेसे मुद्दे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में जगह नहीं पाते हैं। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस बार सर्दियों का मौसम शुरू होने के बाद 1 नवंबर से अब तक उत्तराखंड में देश में सबसे अधिक 1,756 फायर अलर्ट दर्ज किए गए हैं। यह संख्या महाराष्ट्र (1,028), कर्नाटक (924), मध्य प्रदेश (868) और छत्तीसगढ़ (862) जैसे उन राज्यों की तुलना में काफी ज्यादा है, जो पारंपरिक रूप से जंगल में आग के मामले में अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। आमतौर पर दिसंबर जंगल में आग के लिहाज से सबसे शांत महीना माना जाता है, लेकिन पिछले तीन सालों में उत्तराखंड के लिए यह धारणा गलत साबित हुई है। दिसंबर में उत्तराखंड में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई। जंगल की जमीन में नमी का लेवल बहुत कम है। उत्तराखंड की तरह, हिमाचल में भी पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह से कोई बारिश नहीं हुई थी। इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देहरादून में तो कई बार यह इंडेक्स 300 के पार जा चुका है, जो सीधे तौर पर लोगों की सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण बोर्ड की ओर से कराए गए एक अध्ययन ने चिंता और बढ़ा दी है। रिपोर्ट में सामने आया कि पर्यावरण प्रदूषण में फॉरेस्ट फायर की भूमिका 15 से 20 प्रतिशत तक है, जो कि बेहद गंभीर आंकड़ा है। उत्तराखंड का हिमालयी भूगोल, जलवायु परिवर्तन और तेज विकास की दौड़ मिलकर राज्य के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में राज्य में तेज गति से सड़क निर्माण और बड़े बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हुए हैं। इसका परिणाम यह निकला कि चारधाम यात्रा रूट के आसपास लगभग 100 नए भूस्खलन क्षेत्र पैदा हो गए। पहले से मौजूद संवेदनशील जोन भी और अधिक खतरनाक हो गए हैं। चारधाम यात्रा और पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन तेजी से निर्माण कार्यों ने पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर किया है। सड़क और हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की गई, भारी मशीनरी का उपयोग हुआ, जंगलों का व्यापक कटान किया गया। इन सभी वजहों से पुराने भूस्खलन क्षेत्र सक्रिय हुए और नए भूस्खलन क्षेत्र भी बन गए। उत्तराखंड के नेशनल हाईवे नेटवर्क पर करीब 400 भूस्खलन स्थल चिन्हित किए गए हैं। उत्तराखंड में मानसून सीजन में हर साल प्राकृतिक आपदाओं से भारी नुकसान होता है। साल 2025 के मानसून सीजन में अब तक उत्तराखंड में रिकॉर्ड बारिश हुई है। उत्तराखंड में 2016 से 25 तक प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसमें हजारों लोगों की जान गई है। पिछले 11 वर्षों में 27,197 प्राकृतिक घटनाएं हुई हैं, जिनमें अतिवृष्टि और भूस्खलन की घटनाएं प्रमुख हैं। साल 2025 में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज हुईं, जिसमें 720 लोगों की मौत और 1207 लोग घायल हुए थे। इन 11 सालों के आंकड़े में केदारनाथ की साल 2013 में 16 और 17 जून को आई प्राकृतिक आपदा के आंकड़े नहीं जोड़े गए हैं। उस दौरान अकेले केदारनाथ में ही 4400 से ज्यादा लोग या तो लापता हो गए थे या फिर मारे गए थे। हिंदुकुश हिमालय का इलाका भारत, चीन, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश तक फैला हुआ है। यहां गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी 11 बड़ी नदियां बहती हैं। वसंत के महीने में बर्फ पिघलने से ही इन नदियों को पानी मिलता है। लगभग 17 प्रतिशत आबादी पीने के पानी की जरूरतें पूरी करने के लिए सीधे तौर पर इससे जुड़ी हुई है। इसी पानी का उपयोग सिंचाई और हाइड्रोपावर के लिए भी किया जाता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण हिंदुकुश हिमालय क्षेत्र के तापमान में वैश्विक औसत से 0.74त्ड अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही साल 2003 से 2020 तक हिमालय के अधिकांश हिस्सों में बर्फ से घिरे इलाकों में गिरावट देखी गई। पहले यहां औसतन 102 दिनों तक बर्फ रहती थी। अब हर दस साल में पांच दिन कम हो रहे हैं। भारत के मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर होने से पिछले साल दिसंबर में उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में न के बराबर बर्फ गिरी। गढ़वाल में इस साल जनवरी में बर्फबारी का अभाव देखा गया। ऐसा पिछले 40 सालों में पहली बार हुआ है। कम हिमपात के चलते जटामांसी और कुटकी जैसी महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक जड़ीबूटियां विलुप्त हो रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में स्नो ड्रॉट या बर्फ का सूखा' जैसी स्थिति बन रही है। विशेष रूप से 3,000 से 6,000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह प्रभाव सबसे अधिक देखा गया है। हिमाचल प्रदेश में बेलगाम विकास से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर सुप्रीम कोर्ट चिंता जता चुका है। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो हिमाचल एक दिन नक्शे से गायब हो जाएगा। कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाबतलब किया। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं मानव निर्मित हैं। बिना वैज्ञानिक अध्ययन के फोर लेन रोड बन रहे हैं और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लग रहे हैं। उनके लिए पेड़ काटे जा रहे हैं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया जा रहा है। सिर्फ राजस्व कमाना सब कुछ नहीं।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने उमंग- सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ का आयोजन कर कैंसर योद्धाओं को किया सम्मानित

लखनऊ,(संवाददाता)। अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ ने उमंग- सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह भावनात्मक कार्यक्रम कैंसर से जूझकर जीत हासिल करने वाले लोगों और उनके देखभाल करने वालों के साहस, हिम्मत और प्रेरणादायक सफर को समर्पित था। कानपुर रोड स्थित होटल हॉलिडे इन में हुए इस आयोजन में एक सौ पचास से अधिक कैंसर सर्वाइवर, उनके परिवार के सदस्य, डॉक्टर, केयरगिवर और खास मेहमान शामिल हुए। पूरा माहौल उम्मीद, धन्यवाद और साहस से भरा रहा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षक और मोटिवेशनल स्पीकर व दृष्टि आईएएस और दृष्टि पब्लिकेशंस के संस्थापक, एमडी और सीईओ श्री विकास दिव्यकीर्ति मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कैंसर योद्धाओं की अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना की और उन्हें साहस, अनुशासन और अंदरूनी ताकत का जीवंत उदाहरण बताया, जो पूरे समाज को प्रेरणा देते हैं।कार्यक्रम में अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी, वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. हरित चतुर्वेदी, अपोलो हॉस्पिटल्स की रेडिएशन स्पेशलिस्ट ऑन्कोलॉजी डॉ. सपना नांगिया और सीआरपीएफ के पूर्व महानिदेशक ए. पी. महेश्वरी भी मौजूद रहे।

चेहरे के मुंहासे होंगे गायब! तुलसी देगी नेचुरल ग्लो, जानें सेवन का सही तरीका

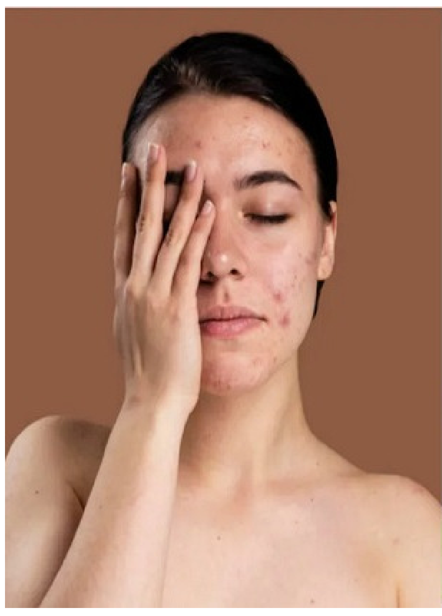

हर भारतीय घर में पाई जाने वाली तुलसी केवल एक पवित्र पौधा ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक औषधियों का खजाना भी है। आयुर्वेद में तुलसी को त्वचा, इम्यूनिटी और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना गया है। खास बात यह है कि तुलसी का सही तरीके से सेवन करने पर मुंहासों, दाग-धब्बों और ऑयली स्किन की समस्या से राहत मिल सकती है और चेहरे पर नेचुरल चमक आती है। तुलसी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को अंदर से साफ करने में मदद करते हैं। यही वजह है कि तुलसी को प्राकृतिक ब्यूटी ट्रीटमेंट भी कहा जाता है।

त्वचा के लिए क्यों फायदेमंद है तुलसी?

तुलसी रक्त को शुद्ध करने का काम करती है। जब खून साफ होता है, तो त्वचा से जुड़ी समस्याएं अपने आप कम होने लगती हैं। तुलसी त्वचा के अंदर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करती है, सूजन को कम करती है और नए मुंहासों को बनने से रोकती है। नियमित सेवन से स्किन हेल्दी, क्लियर और चमकदार बनती है।

तुलसी का पानी पीने के फायदे

विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना तुलसी वाला पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। इससे खून साफ होता है और मुंहासों की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

कैसे बनाएं तुलसी का पानी?

रात में 5-7 ताजे तुलसी के पत्ते एक गिलास साफ पानी में डाल दें

सुबह खाली पेट यह पानी पिएं

यह उपाय न केवल पिंपल्स को कम करता है, बल्कि चेहरे पर नेचुरल ग्लो भी लाता है।

तुलसी फेस पैक से पाएं साफ और बेदाग त्वचा

तुलसी का फेस पैक मुंहासों और दाग-धब्बों के लिए बेहद असरदार घरेलू उपाय है।

इस्तेमाल का तरीका

8-10 ताजे तुलसी के पत्तों को पीस लें

इसमें मुल्तानी मिट्टी या शहद मिलाएं

इस पेस्ट को चेहरे पर 15-20 मिनट लगाकर धो लें

यह फेस पैक ऑयली स्किन को कंट्रोल करता है, पिंपल्स को सुखाता है और त्वचा में निखार लाता है।

हफ्ते में 2-3 बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

तुलसी की चाय भी है फायदेमंद

तुलसी की चाय न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है, बल्कि तनाव को कम करने में भी मदद करती है। तनाव से होने वाले मुंहासों पर तुलसी चाय खास असर दिखाती है।

कैसे बनाएं तुलसी की चाय?

4-5 तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें

स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं

इसके अलावा सुबह 2-3 ताजे तुलसी के पत्ते चबाना भी त्वचा के लिए लाभकारी माना जाता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

त्वचा की साफ-सफाई का ध्यान रखें

संतुलित आहार लें और खूब पानी पिएं

बहुत ज्यादा तला-भुना और जंक फूड न खाएं

अगर मुंहासे बहुत ज्यादा या गंभीर हैं, तो घरेलू उपायों के साथ-साथ आयुर्वेदिक या त्वचा विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। तुलसी एक सस्ता, प्राकृतिक और हर घर में उपलब्ध उपाय है। सही तरीके से सेवन करने पर यह मुंहासों को दूर कर चेहरे को साफ, स्वस्थ और चमकदार बना सकती है। नियमित दिनचर्या और सही देखभाल के साथ तुलसी आपकी स्किन के लिए किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट से कम नहीं है।

क्या वीगन डाइट सबके लिए सही है? जानें इस जीवनशैली में किन पोषक तत्वों पर ध्यान देना है जरूरी

आजकल वीगन डाइट का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें केवल पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, अनाज, नट्स और बीज आदि शामिल होते हैं। यह जीवनशैली आमतौर पर वे लोग अपनाते हैं जो पर्यावरण के प्रति जागरूक होते हैं। इस डाइट में सिर्फ उन चीजों को ही प्राथमिकता दी जाती है, जिनसे जानवरों को कोई हानि न हो। कुछ लोगों को लगता है कि वीगन का मतलब सिर्फ मांसाहारी चीजों का सेवन न करना है, लेकिन ऐसा नहीं है। वीगन डाइट में ऐसी कोई भी चीज नहीं खाई जाती जो जानवरों से जुड़ी होती है, जैसे डेयरी प्रोडक्ट (दूध, दही, पनीर) और शहद आदि। अब जो लोग इस डाइट का पालन करते हैं उन्हें आमतौर पर वीगन कहा जाता है। ऐसे में वीगन लोगों के पास पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थ का सबसे अच्छा विकल्प होता है। यही वजह है कि वीगन डाइट अपनाना इतना आसान नहीं होता है और यह सबके लिए उपयुक्त भी नहीं हो सकती। इस डाइट का पालन करने से शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, क्योंकि पौधों-आधारित आहार में कुछ जरूरी पोषक तत्व कम मात्रा में पाए जाते हैं। आइए, इस लेख में हम विस्तार से जानेंगे कि वीगन डाइट अपनाने से पहले हमें किन महत्वपूर्ण पोषक तत्वों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। वीगन डाइट फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो पाचन, त्वचा और इम्यूनिटी के लिए फायदेमंद है। हालांकि, इसमें कुछ महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन इ12, आयरन, कैल्शियम और ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी हो सकती है। बिना सही योजना के यह डाइट पोषण की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। अब आइए जानते हैं कि किन पोषक तत्वों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। विटामिन इ12 मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है, और इसकी कमी से थकान, एनीमिया और तंत्रिका तंत्र की समस्याएं हो सकती हैं। वीगन डाइट अपनाने वालों को फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ जैसे नॉन-डेयरी दूध, न्यूट्रीशनल यीस्ट या इ12 सप्लीमेंट्स लेने चाहिए। आयरन की कमी से एनीमिया हो सकती है। वीगन डाइट में पालक, दाल, कद्दू के बीज और क्विनोआ जैसे आयरन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें। साथ में विटामिन उ युक्त फल, जैसे संतरा, आयरन के अवशोषण को बढ़ाते हैं, इसलिए इन्हें में डाइट में शामिल करें। हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए कैल्शियम और विटामिन ऊ जरूरी हैं। वीगन डाइट में फोर्टिफाइड पौधे-आधारित दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां, बादाम और तिल के बीज कैल्शियम प्रदान करते हैं। ओमेगा-3 हृदय और मस्तिष्क के लिए बहुत जरूरी है। अलसी के बीज, चिया सीड्स, अखरोट और हेम्प सीड्स इसके अच्छे स्रोत हैं।

ये सभी चीजें आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के साथ-साथ आपके मस्तिष्क के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अस्वीकरणः की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेर्शों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

देश में 'जीरो-डोज' वाले बच्चों में आई कमी जानिए क्यों माना जा रहा है इसे बड़ी कामयाबी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 'जीरो डोज' वाले बच्चों का मतलब उन बच्चों से है जिन तक नियमित टीकाकरण सेवाओं की या तो पहुंच नहीं है या फिर जिनका कभी भी टीकाकरण ही नहीं हुआ है। जीवनभर आपको कई प्रकार की गंभीर और संक्रामक बीमारियों के खतरे से बचाए रखने में बचपन के टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस दिशा में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि सरकार के सक्रिय, समावेशी दृष्टिकोण के चलते 'जीरो डोज चिल्ड्रेन' की दर में कमी आई है। देश की कुल आबादी में 'जीरो डोज' वाले बच्चों का प्रतिशत 2023 में 0.11 प्रतिशत से घटकर 2024 में 0.06 प्रतिशत हो गया है, जो बाल स्वास्थ्य की दिशा में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 'जीरो डोज' वाले बच्चों का मतलब उन बच्चों से है जिनतक नियमित टीकाकरण सेवाओं की या तो पहुंच नहीं है या फिर जिनका कभी भी टीकाकरण ही नहीं हुआ है। इसमें डीटीपी (डिप्थीरिया-टेटनस-पर्टुसिस) की पहली खुराक न मिलने से लेकर अन्य टीकों के न मिलने तक शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'जीरो डोज' वाले बच्चों की संख्या में आई गिरावट का श्रेय यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (यूआईपी) के माध्यम से टीकाकरण के बढ़ावा देने को दिया है। इसके तहत 2.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं और 2.6 करोड़ शिशुओं (0-1 वर्ष) को प्रतिवर्ष मुफ्त टीकाकरण सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इस एक उपाय की मदद से बच्चों को पूरे जीवनकाल तक कई प्रकार की खतरनाक और संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित किया जा सकता है। बीमारियों से बचाव में टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टीकाकरण सबसे शक्तिशाली और लागत प्रभावी तरीका है जिसकी मदद से न सिर्फ हम लोगों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं साथ ही इन बीमारियों के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को भी कम किया जा सकता है। बयान में कहा गया है, ₹हमारे स्वास्थ्य सेवाकर्मी आशा और एएनएम देशभर में 1.3 करोड़ से अधिक टीकाकरण सत्र आयोजित करते हैं। निरंतर, सतत प्रयासों और देशभर में टीकाकरण अभियान के परिणामस्वरूप 'जीरो डोज' वाले बच्चों की संख्या में कमी देखी गई है। गौरतलब है कि ये रिपोर्ट उस समय आई है जब हाल में द लैंसेट में प्रकाशित एक विश्लेषण में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि दुनियाभर में लाखोअं बच्चे जानलेवा बीमारियों के खतरे में हैं, उनमें पहले की तुलना में गंभीर और संक्रामक बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ गया है। कारण- स्वास्थ्य संबंधी असमानताओं और गलत सूचना के चलते हाल के वर्षों में टीकाकरण कवरेज में आई कमी। विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि पिछले एक दशक में कई देशों में टीकाकरण की गति में काफी कमी आ गई है, लिहाजा बच्चों में बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले पांच दशकों (50 साल) में दुनियाभर में बच्चों के टीकाकरण को लेकर देखे गए बेहतर कवरेज के चलते करीब 154 मिलियन (15.4 करोड़) बच्चों की मौतों को रोका गया था। लेकिन साल 2010 के बाद से, कई देशों अचानक से टीकाकरण में गिरावट दर्ज की गई जिसके कारण बीमारियों का खतरा काफी बढ़ गया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि 204 देशों में से 100 में खसरे के टीकाकरण की दर में गिरावट आई है। वहीं डिप्थीरिया, टिटनस, काली खांसी, पोलियो और टीबी के खिलाफ वैक्सीनेशन कवरेज 36 उच्च आय वाले देशों में से 21 में कम हो गया है। इसमें फ्रांस, इटली, जापान, यूके और यूएस जैसे देश भी शामिल हैं। अस्वीकरणः की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेर्शों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

हाथी पांव बीमारी क्या है? क्या इसमें सच में हाथी जैसा हो जाता है पैर?

हाथी पांव बीमारी, जिसे मेडिकल भाषा में फाइलेरियासिस कहा जाता है, एक गंभीर लेकिन धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है। इसमें शरीर के किसी हिस्से खासतौर पर पैरों में असामान्य सूजन आने लगती है। समय के साथ यह सूजन इतनी ज्यादा हो सकती है कि पैर मोटा, सख्त और खुरदुरा दिखने लगता है, जिस वजह से इसे आम बोलचाल में हाथी पांव कहा जाता है। इस लेख में हम जानेंगे कि यह बीमारी क्यों होती है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव

कैसे किया जा सकता है।

हाथी पांव बीमारी कैसे होती है?

हाथी पांव बीमारी मच्छरों के काटने से फैलती है। जब कोई मच्छर संक्रमित व्यक्ति को काटता है और फिर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो परजीवी कीड़े (फाइलेरिया) शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ये कीड़े लसीका तंत्र में जाकर ब्लॉक कर देते हैं, जिससे शरीर में तरल पदार्थ जमा होने लगता है और सूजन बढ़ती है।

हाथी पांव बीमारी में क्या लक्षण दिखते हैं?

शुरूआत में लक्षण स्पष्ट नहीं होते। कई बार संक्रमण के बाद सालों तक कोई परेशानी नहीं दिखती। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, पैर, हाथ, छाती और जननांग सूजने लगते हैं। सूजन वाले हिस्से की त्वचा मोटी, खुरदरी और सख्त हो जाती है। दर्द, बेचैनी और बुखार जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। बार-बार बैक्टीरियल संक्रमण होने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है। लंबे समय तक इलाज न होने पर व्यक्ति की चलने-फिरने और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

क्यों कहा जाता है इसे हाथी पांव?

इस बीमारी में पैरों की सूजन इतनी अधिक हो जाती है कि पैर हाथी के पैर जैसे भारी और मोटे दिखने लगते हैं। यही कारण है कि इसे आम भाषा में हाथी पांव कहा जाता है।

इस बीमारी का खतरा कितना बड़ा है?

दुनिया में करीब 12 करोड़ लोग हाथी पांव बीमारी से प्रभावित हैं। यह बीमारी उन इलाकों में अधिक पाई जाती है, जहां स्वच्छता की स्थिति खराब हो और मच्छरों का प्रकोप अधिक हो। भारत के कई राज्यों में यह अब भी बड़ी चिंता का विषय है।

इलाज और रोकथाम

कोई स्थायी इलाज या टीका अभी उपलब्ध नहीं है। एंटी-पैरासिटिक दवाएं शरीर में मौजूद कीड़ों को खत्म करने में मदद करती हैं और संक्रमण को फैलने से रोकती हैं। कुछ मामलों में सूजन कम करने या हाइड्रोसील जैसी समस्या के लिए सर्जरी की जाती है। स्वच्छता बनाए रखना और मच्छर नियंत्रण इस बीमारी को रोकने में मदद कर सकता है। हाथी पांव बीमारी धीरे-धीरे विकसित होने वाली और गंभीर हो सकने वाली बीमारी है। समय पर इलाज और साफ-सफाई के उपाय से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

क्या होता है 'गट माइक्रोबायोम'? जानें आंतों के बैक्टीरिया का मूड, इम्युनिटी और पेट से गहरा संबंध

हम सबकी आंतों में करोड़ों बैक्टीरिया होते हैं। इनके समूह को गट माइक्रोबायोम कहते हैं, जिसमें अच्छे और बुरे बैक्टीरिया का संतुलन बेहद जरूरी है। इसका सीधा असर हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर पड़ता है। खासकर, हमारा मूड, इम्युनिटी और पेट का स्वास्थ्य इस गट माइक्रोबायोम से गहराई से जुड़े होते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हमारी आंतों में, असंख्य सूक्ष्म जीव मौजूद हैं जो हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं? आंतों में मौजूद छोटे-छोटे बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीव, जिन्हें सामूहिक रूप से 'गट माइक्रोबायोम' कहा जाता है, केवल पाचन में ही नहीं, बल्कि ये हमारे मूड, रोग प्रतिरोधक क्षमता और समग्र स्वास्थ्य को भी सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। आधुनिक वैज्ञानिक शोध लगातार यह साबित कर रहे हैं कि एक स्वस्थ और संतुलित गट माइक्रोबायोम हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितना जरूरी है। यह समझना बेहद रोमांचक है कि कैसे ये अदृश्य जीव हमारे शरीर के इतने महत्वपूर्ण कार्यों को नियंत्रित करते हैं। आइए, इस लेख में हम विस्तार से जानते हैं कि यह गट माइक्रोबायोम क्या है और यह हमारे शरीर को किस-किस तरह से प्रभावित करता है। गट माइक्रोबायोम हमारी आंतों में रहने वाले खरबों सूक्ष्मजीवों का समूह है। ये बैक्टीरिया भोजन को पचाने, पोषक तत्वों को अवशोषित करने और हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। ये सूक्ष्मजीव एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र की तरह काम करते हैं, जो हमारे शरीर के कई कार्यों को नियंत्रित करता है। स्वस्थ गट माइक्रोबायोम में अच्छे और बुरे बैक्टीरिया का संतुलन होता है। असंतुलन होने पर पाचन समस्याएं, तनाव, या गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। गट माइक्रोबायोम पाचन तंत्र का आधार है। यह भोजन को तोड़ने और पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद करता है। साथ ही, यह इम्यून सिस्टम का 70% हिस्सा नियंत्रित करता है। अच्छे बैक्टीरिया हानिकारक रोगाणुओं से लड़ते हैं और इंफेक्शन से बचाव करते हैं। असंतुलित माइक्रोबायोम से कब्ज, दस्त, इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (क्ष्र), या ऑटोइम्यून बीमारियां हो सकती हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ प्रोबायोटिक्स युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे दही और खमीरयुक्त (फर्मेंटेड) भोजन को डाइट में शामिल करने का सुझाव देते हैं, क्योंकि ये गट माइक्रोबायोम को संतुलित रखने में मदद करते हैं। गट माइक्रोबायोम आपके मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने में अहम भूमिका निभाता है, क्योंकि यह मस्तिष्क के साथ गट-ब्रेन एक्सिस के जरिए जुड़ा होता है। आंतों के बैक्टीरिया सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर बनाते हैं, जो मूड को नियंत्रित करते हैं। असंतुलित माइक्रोबायोम तनाव, चिंता या डिप्रेशन का कारण बन सकता है। शोध बताते हैं कि फाइबर युक्त आहार और प्रोबायोटिक्स मूड को बेहतर बनाते हैं। उदाहरण के लिए, दही और साबुत अनाज मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा रखने में मदद करते हैं। गट माइक्रोबायोम को स्वस्थ रखने के उपाय गट माइक्रोबायोम को स्वस्थ रखने के लिए फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज और नट्स खाएं। प्रोबायोटिक्स (दही, छाछ) और प्रीबायोटिक्स (प्याज, लहसुन) अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं। प्रोसेस्ड फूड, चीनी और एंटीबायोटिक्स के अत्यधिक उपयोग से बचें, क्योंकि ये माइक्रोबायोम को नुकसान पहुंचाते हैं।

शब-ए-बारात नूरानी और इबादत वाली रात है: खालिद रशीद

लखनऊ,(संवाददाता)। शब-ए-बारात के संबंध में इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया, ईदगाह, लखनऊ में इस्लामिक सेंटर, ईदगाह कमेटी और लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के जिम्मेदारों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, इमाम ईदगाह लखनऊ ने कहा कि शब-ए-बारात नूरानी और इबादत वाली रात है। इस रात खालिक-ए-काइनात अपने बंदों और बंदियों की रोजी, उम्र, सेहत और जिंदगी का फैसला फरमाता है। इस मुबारक रात में बंदे अपने खुदा-ए-रहमान व रहीम से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं और तौबा करते हैं। मौलाना ने कहा कि 15वीं शब यानी 03 फरवरी को नफ्ल नमाजें.पढ़ना और अगले दिन यानी 04 फरवरी 2026 को रोजा रखना मस्नून है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में आज जोकोविच का सामना अल्काराज से; टूट सकते हैं 6 बड़े रिकॉर्ड

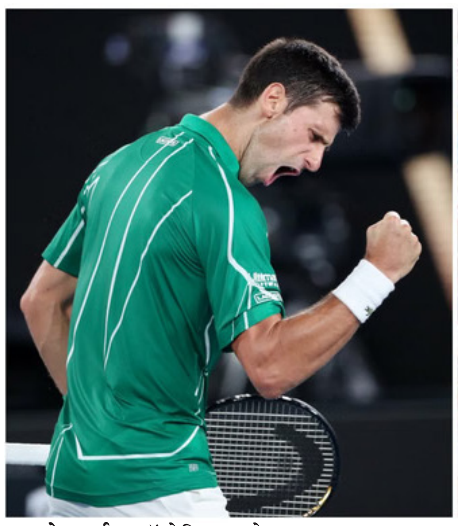

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का फाइनल नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज के बीच सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि पीढ़ियों की टक्कर है। जोकोविच जहां 25वें ग्रैंड स्लैम के साथ इतिहास रचना चाहते हैं, वहीं अल्काराज सबसे युवा करियर ग्रैंड स्लैम विजेता बनने की दहलीज पर खड़े हैं। नतीजा चाहे जो हो, टेनिस इतिहास में कई रिकॉर्ड टूटना तय है। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 का पुरुष एकल फाइनल टेनिस इतिहास के सबसे यादगार मुकाबलों में शामिल होने को तैयार है। मेलबर्न में आमने-सामने होंगे 'किंग ऑफ मेलबर्न' नोवाक जोकोविच और नई पीढ़ी के सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज। यह मुकाबला सिर्फ ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स के लिए भी खेला जाएगा, जो नतीजे के साथ टूट सकते हैं। 38 वर्षीय जोकोविच अनुभव और मानसिक मजबूती के साथ उतरेंगे, जबकि 22 वर्षीय अल्काराज युवा जोश, फिटनेस और आक्रामक खेल के दम पर इतिहास रचने के इरादे से कोर्ट पर होंगे। फाइनल तक का सफर: मानसिक मजबूती की असली परीक्षा दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में पहुंचने के लिए पांच-सेट के कठिन सेमीफाइनल खेले। जोकोविच ने युवा यानिक सिनर को हराकर यह साबित किया कि टेनिस में उम्र से ज्यादा मेंटैलिटी मायने रखती है। वहीं, अल्काराज ने जांघ की चोट जैसी परेशानी के बावजूद अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज कर अपनी मानसिक दृढ़ता का शानदार उदाहरण पेश किया। नोवाक जोकोविच: 25वें ग्रैंड स्लैम की ऐतिहासिक तलाश जोकोविच इस फाइनल में सिर्फ एक और ट्रॉफी नहीं, बल्कि खुद को इतिहास में अकेला खड़ा करने के लक्ष्य से उतरेंगे। जीत के साथ जोकोविच का यह 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब होगा, जिससे वह मार्गरेट कोर्ट (24) को पीछे छोड़कर पुरुष-महिला दोनों वर्गों में सबसे ज्यादा मेजर जीतने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले ही सबसे ज्यादा खिताब जीत चुके जोकोविच अगर यह फाइनल जीतते हैं, तो उनका 11वां मेलबर्न ताज होगा। अल्काराज को हराने पर जोकोविच ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे, केन रोजवॉल का रिकॉर्ड टूट जाएगा। कार्लोस अल्काराज: सबसे युवा करियर ग्रैंड स्लैम का सपना दूसरी ओर, अल्काराज के लिए यह फाइनल उनके करियर का सबसे अहम अध्याय हो सकता है। विंबलडन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन जीत चुके अल्काराज अगर ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते हैं, तो वह ओपन एरा में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले छठे पुरुष खिलाड़ी बनेंगे। 22 साल की उम्र में यह कारनामा कर वह राफेल नडाल (24) का रिकॉर्ड तोड़कर सबसे युवा खिलाड़ी बन सकते हैं। जीत के साथ अल्काराज पीट सैम्प्रास और राफेल नडाल की सूची में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने वर्ल्ड नंबर-एक रहते हुए अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। पुरानी टक्कर और बदला लेने की कहानी यह मुकाबला 2024 पेरिस ओलंपिक गोल्ड मेडल मैच की याद भी दिलाता है, जहां जोकोविच ने टाई-ब्रेक में जीत हासिल की थी। हालांकि, 2025 यूएस ओपन सेमीफाइनल में अल्काराज ने जोकोविच को हराया था, जिससे साफ है कि इस बार मुकाबला बेहद बराबरी का रहने वाला है।

'खेलो इंडिया मिशन' के साथ खेल सेक्टर को बड़ा बूस्ट, नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर रहा जोर

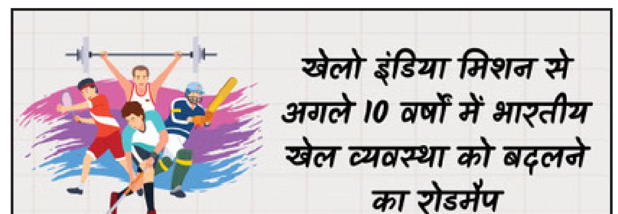

नई दिल्ली : पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेल क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए खेलकूद के सामानों के लिए एक नई पहल का प्रस्ताव रखा। इस कदम से उच्च गुणवत्ता वाले स्पोर्ट्स गुड्स के घरेलू निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा और खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज संसद में पेश किए जा रहे आम बजट में खेल क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में अहम पहल का ऐलान किया है। बजट भाषण के दौरान उन्होंने खेलकूद के सामानों के निर्माण और गुणवत्ता सुधार के लिए एक नई पहल का प्रस्ताव रखा। इस कदम को भारत में खेल उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है। सीतारमण ने साथ ही बजट भाषण के दौरान 'खेलो इंडिया मिशन' की घोषणा करते हुए कहा कि यह मिशन अगले एक दशक में भारत के खेल क्षेत्र को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म करेगा। सरकार का लक्ष्य केवल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि पूरे स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करना है। इस साल एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन होगा, जिसे देखते हुए यह बजट महत्वपूर्ण है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण - फोटो : संसद टीवी खेलो इंडिया मिशन पांच स्तंभों पर आधारित होगा सीतारमण ने कहा, 'खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरियों के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से शुरू किए गए खेल प्रतिभाओं के व्यवस्थित पोषण को आगे बढ़ाते हुए, मैं खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।' सीतारमण ने कहा, 'खेलो इंडिया मिशन अगले दस वर्षों में खेल क्षेत्र को बदलने का काम करेगा। इसके तहत प्रतिभा विकास से लेकर ढांचे और तकनीक तक, हर स्तर पर एक समग्र व्यवस्था बनाई जाएगी।' उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया मिशन को पांच प्रमुख चरणों में लागू किया जाएगा, ताकि जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक खिलाड़ियों को एक मजबूत और निरंतर विकास मार्ग मिल सके। 1. इंटीग्रेटेड टैलेंट डेवलपमेंट पाथवे इस मिशन के तहत प्रशिक्षण केंद्रों का व्यवस्थित तैयार किया जाएगा, जो तीन स्तरों पर काम करेंगे- फाउंडेशन लेवल (शुरुआती प्रतिभाओं के लिए) इंटरमीडिएट लेवल (उभरते खिलाड़ियों के लिए) एलीट लेवल (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए) इस व्यवस्था से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान जल्दी होगी और उन्हें सही समय पर सही प्रशिक्षण मिल सकेगा। 2. कोच और सपोर्ट स्टाफ का व्यवस्थित विकास सरकार ने माना है कि अच्छे खिलाड़ियों के पीछे अच्छे कोच और सपोर्ट स्टाफ सबसे बड़ी ताकत होते हैं। खेलो इंडिया मिशन के तहत कोच, फिटनेस ट्रेनर, फिजियोथेरेपिस्ट और अन्य सपोर्ट स्टाफ को सिस्टेमैटिक और आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाएगा,

सेमीफाइनल की जंग! पाकिस्तान के लिए करो या मरो वाली स्थिति, भारत से हारे तो लाहौर की टिकट पक्की

बुलवायो : भारत और पाकिस्तान के बीच सुपर सिक्स मुकाबला अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे निर्णायक मैच बन गया है। भारत जीत या मामूली हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंच सकता है, जबकि पाकिस्तान को क्वालीफाई करने के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। आईसीसी ने पूरे समीकरण को साफ कर दिया है और अब सबकी नजरें इस हाई-वोल्टेज मुकाबले पर टिकी हैं। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला सुपर सिक्स मुकाबला सिर्फ एक पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता नहीं, बल्कि सेमीफाइनल का आखिरी टिकट तय करने वाला मैच बन गया है। जिम्बाब्वे में खेले जा रहे इस टूनार्मेंट में अब तक ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड सेमीफाइनल में जगह बना चुके हैं, जबकि चौथे स्थान के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी टक्कर है। पॉइंट्स टेबल का पूरा समीकरण आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के ग्रुप-2 सुपर सिक्स की स्थिति पर नजर डालें तो- इंग्लैंड आठ अंकों और +1.757 नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है। भारत छह अंक और +3.337 के मजबूत नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, पाकिस्तान चार अंक और +1.484 नेट रन रेट के साथ तीसरे पायदान पर मौजूद है। यही वजह है कि इस मुकाबले का नतीजा तय करेगा कि भारत या पाकिस्तान में से कौन सेमीफाइनल में पहुंचेगा। भारत जीता तो सीधा सेमीफाइनल अगर भारत पाकिस्तान को हरा देता है, तो टीम इंडिया न सिर्फ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर लेगी, बल्कि ग्रुप-दो में शीर्ष स्थान पर भी पहुंच जाएगी। ऐसी स्थिति में भारत का सेमीफाइनल मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मौजूदा फॉर्म और नेट रन रेट को देखते हुए भारत इस मैच में फेवरेट माना जा रहा है। हार से पाकिस्तान के लिए मुश्किल रास्ता दिलचस्प बात यह है कि भारत अगर मामूली अंतर से हार भी जाता है, तब भी उसका नेट रन रेट पाकिस्तान से बेहतर रहेगा और टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं पाकिस्तान के लिए स्थिति बिल्कुल अलग है। उसे न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बहुत बड़े अंतर से जीतना जरूरी है। ICC ने बताया पाकिस्तान के लिए मैजिक नंबर आईसीसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सेमीफाइनल का पूरा गणित साफ कर दिया है। आईसीसी के मुताबिक, 'अगर पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करता है, तो उसे भारत को 105 रन या उससे ज्यादा के अंतर से हराना होगा, तभी वह ग्रुप-दो में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच पाएगा।' आईसीसी ने रन चेज को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है। आईसीसी के मुताबिक, 'अगर पाकिस्तान लक्ष्य का पीछा करता है और मान लीजिए भारत 250 रन बनाता है, तो पाकिस्तान को 251 रन 29.4 ओवर या उससे कम में बनाने होंगे। लक्ष्य कम होने पर उन्हें और तेज गति से रन बनाने होंगे।' एशिया कप की बड़ी हार और नो हैंडशेक नीति बता दें कि भारत को पिछले साल अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन की करारी हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, उसी टूनार्मेंट के ग्रुप मैच में भारत ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था। भारत उस हार का बदला लेने उतरेगा और पाकिस्तान को बाहर करना चाहेगा। इसके अलावा, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के नो हैंडशेक रुख के जारी रहने की भी संभावना जताई जा रही है।

सुपर सिक्स में आज भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला, जानिए कब-कहां और कैसे देखें लाइव मैच

दुबई : आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर सिक्स में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला सेमीफाइनल की तस्वीर तय करने वाला है। भारत जहां अजेय रहते हुए मजबूत स्थिति में है, वहीं पाकिस्तान के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है। मुकाबले का लाइव टेलीकास्ट स्टार स्पोर्ट्स पर और फ्री स्ट्रीमिंग तमाशा ऐप पर उपलब्ध होगी। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को एक बार फिर भारत बनाम पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित महामुकाबला देखने को मिलेगा। जिम्बाब्वे के बुलावायो में खेले जा रहे इस टूनामेंट के सुपर सिक्स चरण में दोनों पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला सिर्फ अंक तालिका के लिहाज से ही नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा और सेमीफाइनल की तस्वीर साफ करने के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। भारत का पलड़ा भारी, सेमीफाइनल की दहलीज

पर टीम इंडिया भारतीय अंडर-19 टीम इस मैच में अजेय रिकॉर्ड के साथ उतर रही है। जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार जीत के दम पर भारत का नेट रन रेट +3.337 है, जिससे टीम लगभग सेमीफाइनल में एक पैर रख चुकी है। हालांकि, खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के मन में एक बात जरूर होगी, अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से मिली 191 रन की हार का बदला। यही कारण है कि भारत इस मैच को सिर्फ जीतना ही नहीं, बल्कि दमदार अंदाज में जीतने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान के लिए करो या मरो की स्थिति दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए यह मुकाबला किसी वर्चुअल नॉकआउट से कम नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 8 विकेट की जीत से टीम का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा है, लेकिन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पाकिस्तान को भारत को बड़े अंतर से हराना होगा, ताकि नेट रन रेट में सुधार हो सके। इस मैच में पाकिस्तान की रणनीति आक्रामक रहने की उम्मीद है, खासकर पावरप्ले और डेथ ओवर्स में। टॉप ऑर्डर बनाम तेज गेंदबाजी: मैच का असली रोमांच मैच का सबसे दिलचस्प पहलू होगा भारत का विस्फोटक टॉप ऑर्डर बनाम पाकिस्तान की स्ट्राइक बॉलिंग। भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने अब तक शानदार फॉर्म दिखाई है, जबकि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज अली रजा, जो टूनामेंट में अब तक 12 विकेट ले चुके हैं, भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेने को तैयार होंगे। यही टक्कर इस मुकाबले का रुख तय कर सकती है। कब और कहां खेला जाएगा भारत बनाम पाकिस्तान मैच? लाइव टेलिकास्ट और फ्री स्ट्रीमिंग की पूरी जानकारी भारत और पाकिस्तान के बीच इस हाई-वोल्टेज मुकाबले का लाइव प्रसारण भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जियोहॉटस्टार एप और वेबसाइट पर लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध होगी। इसके अलावा, तमाशा एप और वेबसाइट पर यह मुकाबला फ्री लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए भी देखा जा सकता है।(सभी जानकारियां प्रसारक द्वारा दी गई सूचना पर आधारित हैं)

आखिरी मैच में लगे 36 छक्के, दूसरा सर्वाधिक; अर्शदीप-बुमराह चर्चा में, किस मामले में बने सबसे महंगे?

तिरुवनंतपुरम। भारत-न्यूजीलैंड के बीच यह मुकाबला टी20 क्रिकेट के इतिहास में रिकॉड्र्स के लिए याद किया जाएगा। 36 छक्के, लगभग 500 रन, ईशान किशन का शतक...इस मैच ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया और भारत की आक्रामक टी20 पहचान को और मजबूत किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में क्रिकेट इतिहास के कई बड़े रिकॉर्ड बने। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 271/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 225 रन ही बना सकी। भारत ने यह मुकाबला 46 रनों से जीत लिया। इस मैच में छक्कों की बारिश, बड़े व्यक्तिगत स्कोर और गेंदबाजों

के महंगे स्पेल चर्चा का केंद्र रहे। 36 छक्के: टी20कइतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा इस मुकाबले में कुल 36 छक्के लगे, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। दर्शकों को लगातार छक्के देखने को मिले और गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बना रहा। टेस्ट प्लेइंग देशों के बीच खेले गए टी20 मैच में यह सबसे ज्यादा है। 517 के करीब कुल स्कोर: हाईएस्ट एग्रीगेट में दूसरा स्थान भारत और न्यूजीलैंड ने मिलकर कुल 496 रन बनाए, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा मैच एग्रीगेट है। इससे पहले केवल एक मैच में इससे ज्यादा रन बने हैं। टी20कमें सबसे ज्यादा मैच एग्रीगेट अर्शदीप सिंह: पांच विकेट लेकिन सबसे महंगे अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट जरूर झटके, लेकिन उन्होंने 51 रन भी लुटाए। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास का सबसे महंगा फाइव-विकेट हॉल बन गया। दिलचस्प बात यह रही कि उनके पहले दो ओवर बेहद महंगे रहे, जबकि आखिरी दो ओवरों में उन्होंने शानदार वापसी की। बुमराह का सबसे महंगा ओवर जसप्रीत बुमराह ने अपने अंतिम ओवर में 22 रन दिए, जो उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। इससे पहले उन्होंने 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ 21 रन दिए थे। 100+ रन और 5 विकेट: भारत ने फिर रचा इतिहास इस मैच में ईशान किशन के 103 रन और अर्शदीप सिंह के पांच विकेट के साथ भारत ने चौथी बार यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की, जब एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100+ व्यक्तिगत स्कोर और 5+ विकेट हॉल हुआ। भारत के अलावा किसी टीम ने इतनी बार ऐसा नहीं किया है यानी भारत से ज्यादा किसी टीम के लिए चार बार एक मैच में 100+ रन और फाइव विकेट हॉल नहीं बने। भारत के ऐसे ऐतिहासिक टी20कमैच द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने कुल 69 छक्के जड़े। यह किसी भी द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में किसी एक टीम द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं।

संजू सैमसन भारतीय प्लेइंग-11 से होंगे बाहर? सुनील गावस्कर ने बताया अभिषेक के साथ कौन होगा ओपनर

मुंबई : न्यूजीलैंड के खिलाफ ईशान किशन की शतकीय पारी और सुनील गावस्कर की स्पष्ट टिप्पणी ने टी20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन को लेकर तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। संजू सैमसन के लिए यह एक और ठहराव हो सकता है, जबकि ईशान किशन के लिए यह प्रदर्शन टीम में स्थाई जगह की ओर इशारा करता है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले ने सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं दिए, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन को लेकर चल रही सबसे बड़ी बहस पर भी लगभग विराम लगा दिया। यह बहस थी- संजू सैमसन या ईशान किशन? और इस पर भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बेहद साफ शब्दों में अपनी राय रख दी। ईशान किशन का शतक और चयन की तस्वीर साफ ईशान किशन का न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया गया पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक (103 रन) सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि यह चयन समिति और टीम मैनेजमेंट के लिए एक टाइम पर आया बयान साबित हुआ। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 271/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया और ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति काफी हद तक खत्म हो गई। संजू सैमसन के आंकड़े बने चिंता की वजह वहीं दूसरी ओर, संजू सैमसन के लिए यह सीरीज निराशाजनक रही। पांच मैचों में सिर्फ 46 रन, कोई बड़ी पारी नहीं और लगातार आत्मविश्वास की कमी साफ नजर आई। हालात तब और स्पष्ट हो गए जब आखिरी मैच में विकेटकीपिंग

की जिम्मेदारी भी ईशान किशन को सौंप दी गई। वर्ल्ड कप वर्ष में ऐसे बदलाव अक्सर प्रयोग नहीं, बल्कि संकेत माने जाते हैं। सुनील गावस्कर का साफ संदेश स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान सुनील गावस्कर ने चयन को लेकर दो टूक बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है चयन समिति ने संजू सैमसन को पूरे मौके दिए, लेकिन अब ईशान किशन की इस पारी के बाद और तिलक वर्मा की वापसी की संभावना को देखते हुए बल्लेबाजी क्रम लगभग तय नजर आता है।' मैच के बाद गावस्कर ने और भी स्पष्ट शब्दों में अपनी बात रखी। इस दिग्गज ने कहा, 'सैमसन को बाहर करना मुश्किल जरूर है, लेकिन किसके लिए? तिलक वर्मा इस स्तर पर साबित खिलाड़ी हैं। संजू सैमसन भी काबिल हैं, लेकिन इस समय फॉर्म में नहीं हैं। इसका उनकी क्षमता से कोई लेना-देना नहीं है। वर्ल्ड कप जैसे टूनामेंट में आप जोखिम नहीं ले सकते। पांच मैच दिए गए, उनका सर्वोच्च स्कोर 24 रहा और वे अजीब तरीकों से आउट हुए। साफ है कि आत्मविश्वास की कमी है। जब तक तिलक वर्मा फिट नहीं होते, तब तक बात अलग है, लेकिन अगर वे उपलब्ध हैं तो सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ मैं संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में खेलते नहीं देख रहा।' तिलक वर्मा की वापसी और टीम को संतुलन तिलक वर्मा की वापसी से भारतीय टीम को मिडिल ऑर्डर में संतुलन और लचीलापन मिलेगा। इससे ईशान किशन को ओपनिंग में पूरी आजादी मिलेगी, बिना टीम संरचना से समझौता किए। यही वह स्थिरता है जिसकी तलाश टीमें वर्ल्ड कप से पहले करती हैं। ईशान किशन: भरोसे पर खरे उतरे ईशान किशन ने पूरी सीरीज में 215 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वे सिर्फ सूर्यकुमार यादव से पीछे रहे। सबसे अहम बात यह रही कि उन्होंने वही भूमिका निभाई जिसकी भारत को वैश्विक टी20 टूनामेंट में जरूरत होती है और वह है तेज शुरूआत।

बजट के एलानों के बाद भारी गिरावट के साथ क्लोजिंग; सेंसेक्स 1547 अंक टूटा

नई दिल्ली: बजट में एसटीटी को बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने की घोषणा के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी में करीब दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान फ्यूचर्स और ऑप्शंस (F&O) ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) बढ़ाने का एलान किया। इससे शेयर बाजार में जोरदार

बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स व निफ्टी में तेज गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1546.84 अंक या 1.88 प्रतिशत गिरकर 80,722.94 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 495.20 अंक या 1.96 प्रतिशत गिरकर 24,825.45 अंक पर आ गया।

कोहरे के बीच ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक,केबिन में फंसा ड्राइवर

लखनऊ,(संवाददाता)। सरोजनी नगर में रविवार तड़के कोहरे के कारण एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। कानपुर की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक आगे-आगे चल रहे ट्रक में टक्कर मार दी। आगे चल रहे ट्रक वाले ने अचानक ब्रेक लगा दिया था जिससे पीछे वाला जा टकराया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक दीपक गंभीर रूप से घायल होकर अपने वाहन के केबिन में फंस गया। यह घटना सुबह करीब 3.45 बजे सरोजनी नगर के दरोगा खेड़ा स्थित कानपुर रोड पर हुई। इटावा जिले के ऊसराहार निवासी 28 वर्षीय ट्रक चालक दीपक अपने क्लीनर विकास (कन्नौज निवासी) के साथ ट्रक चला रहा था। घने कोहरे के कारण आगे-आगे चल रहा ट्रक दूसरे रास्ते पर चला जा रहा था। जब ड्राइवर को पता चला तो उसने ब्रेक लगा दिया जिससे यह दुर्घटना हो गई। हादसे के बाद क्लीनर विकास तो सुरक्षित बच गया, लेकिन चालक दीपक ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गया। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में दमकल टीम मौके पर पहुंची। फायर टीम ने पहले दीपक को निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इंडस्ट्री एकजुट हैं, शुभकामनाओं के लिए रानी मुखर्जी ने जताया सेलेब्स का आभार मदार्नी 3 पर कही ये बात

अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने इस साल इंडस्ट्री में 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्हें बॉलीवुड के साथी कलाकारों ने शुभकामनाएं दी हैं। अब रानी ने सभी का आभार जताया है। जानिए इंडस्ट्री और मदार्नी 3 के लिए उन्होंने क्या कुछ कहा

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मदार्नी 3 को लेकर चचाओं में हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस साल इंडस्ट्री में अपने तीस साल भी पूरे कर लिए हैं। ऐसे में उन्हें इंडस्ट्री के साथी कलाकारों की ओर से बधाइयां दी जा रही हैं। साथ ही मदार्नी 3 के लिए भी शाहरुख-सलमान समेत बॉलीवुड के तमाम कलाकारों ने रानी को शुभकामनाएं दी हैं। इन बधाइयों और शुभकामनाओं के लिए अब अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

एक्टर-एक्ट्रेस का जताया आभार

लोगों का आभार जताते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने मुझे शुभकामनाएं दीं। यह उनकी महानता है। उन्हें ऐसा करने की कोई बाध्यता नहीं थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया और वह भी इतने प्यार से। उन्होंने मेरे बारे में बहुत अच्छी बातें कहीं। इससे मुझे और भी कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है। जब आपके सहकर्मी आपसे प्यार करते हैं, तो यह आपके लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होता है। मैं सभी अभिनेताओं और अभिनेत्रियों को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने समय निकालकर मेरे बारे में इतनी अच्छी बातें कहीं। जब कोई इंडस्ट्री एक-दूसरे का साथ देती है, तो हम दुनिया को इससे बेहतर उदाहरण नहीं दे सकते। यह दुनिया को यह बताने का एक बहुत ही सकारात्मक तरीका है कि बॉलीवुड एकजुट है। वे एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

मदार्नी 3 पुलिस बलों को एक ट्रिब्यूट है

अपनी हालिया रिलीज 'मदार्नी 3' को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साहित रानी मुखर्जी ने फिल्म के प्रदर्शन पर भी अपनी राय व्यक्त की। फिल्म को पुलिस बल को एक ट्रिब्यूट बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह रिलीज एक संयोग थी। इसकी कोई योजना नहीं थी। भाग्य ही सब कुछ तय करता है। राजा की आएगी बारात मेरी पहली फिल्म थी। मेरे किरदार ने व्यवस्था से लड़ाई लड़ी। 30 साल बाद शिवानी शिवाजी रॉय भी सच्चाई के लिए लड़ रही हैं। 30 साल बाद मुझे एक सशक्त किरदार निभाने का मौका मिला। मुझे बहुत खुशी है कि दर्शकों ने इसे स्वीकार किया। उनके समर्थन के कारण ही 'मदार्नी 3' अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मैं चाहती हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोग सिनेमाघरों में जाएं। जब भी इस तरह की कोई फिल्म पर्दे पर आती है, तो वह दर्शकों का मनोरंजन करती है और एक महत्वपूर्ण संदेश देती है। यह लड़कियों को सशक्त बनाती है। हम पुलिस बल को तहे दिल से सलाम करते हैं। हम उनकी बहादुरी, जुनून और सेवा को सलाम करते हैं।

अभिराज मीनावाला ने किया है फिल्म का निर्देशन

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'मदार्नी 3' इस फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म में है। फिल्म में लड़कियों की तस्करी के मुद्दे को उठाया गया है। फिल्म में रानी मुखर्जी के अलावा मल्लिका प्रसाद और जानकी बोडीवाला भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई हैं। फिल्म ने पहले दिन 4 करोड़ रुपए की कमाई की थी। अब दूसरे दिन खबर लिखे जाने तक फिल्म 5.95 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है।

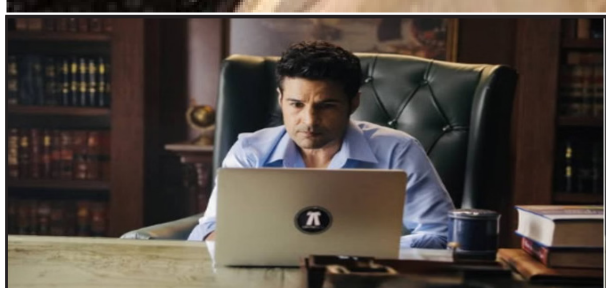

इस चर्चित एक्टर ने एक्टिंग छोड़ शुरू की वकालत, कभी कहीं तो होगा के जरिए टीवी इंडस्ट्री में मचा दिया था तहलका

एक्टर राजीव खंडेलवाल ने अपने करियर पर अपडेट शेयर किया है। हालांकि, उन्होंने अपनी किसी नई फिल्म या शो के बारे में जानकारी नहीं दी। राजीव ने बताया कि उन्होंने अब वकालत शुरू कर दी है।

राजीव खंडेलवाल ने टीवी और फिल्म जगत में अच्छी लोकप्रियता हासिल की है। मगर, अब उन्होंने अपने करियर की नई यात्रा शुरू की है, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शेयर की है। उन्होंने वकालत शुरू कर दी है। राजीव का कहना है कि उन्हें शुरू से इसमें दिलचस्पी थी।

राजीव ने लिखा, 'कुछ ऐसा कर रहा हूं, जो...'

राजीव खंडेलवाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ लिखा है, 'और अब एक नई शुरूआत! कुछ ऐसा कर रहा हूं, जो मैं हमेशा से करना चाहता था। क्या आपको पता है (इंडियन पीनल कोड) अब इठर (भारतीय न्याय संहिता) हो गया है'? राजीव ने पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया है कि उन्होंने एक्टिंग पूरी तरह छोड़कर वकालत शुरू की है या साथ में एक्टिंग भी करते रहेंगे।

'कहीं तो होगा' से मिली घर-घर में पहचान

राजीव खंडेलवाल ने अपने करियर की शुरूआत मॉडल के तौर पर की थी। उन्होंने लंबे समय तक मॉडल के तौर पर कई विज्ञापनों के लिए भी काम किया था। वहीं बतौर अभिनेता राजीव को सबसे पहले विलेन का किरदार मिला था। राजीव खंडेलवाल पहली बार टीवी सीरियल 'क्या हादसा क्या हकीकत' में नजर आए थे। यह सीरियल साल 2002 में आया था। इस सीरियल में राजीव विलेन के रोल में दिखे। मगर, उन्हें असली पहचान एकता कपूर के सीरियल 'कहीं तो होगा' से मिली थी।

किसी के साथ 2-3 से ज्यादा फिल्में करते, तो गोविंदा के साथ रोमांस की अफवाहों पर नीलम कोठारी ने रखी राय

नीलम कोठारी और गोविंदा के रोमांस की अफवाहें उड़ती रही हैं। हाल ही में नीलम कोठारी ने इस मामले पर बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है?

अभिनेता गोविंदा कई वजहों से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। अब वह अभिनेत्री नीलम कोठारी के बयान के बाद चर्चा में आ गए हैं। 1980 और 1990 के दशक में गोविंदा ने नीलम कोठारी के साथ कई फिल्मों में काम किया। दोनों ने अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता। अक्सर उनके रोमांस की अफवाहें उड़ीं। गोविंदा ने यह माना कि वह नीलम की तरफ आकर्षित थे। उन्होंने उनसे शादी करने के बारे में सोचा था। हालांकि, नीलम ने अब इस तरह की बातों को पूरी तरह से खारिज किया है।

नीलम कोठारी ने इल्जामों को खारिज किया

उषा काकडे प्रोडक्शन के साथ बातचीत में नीलम कोठारी से गोविंदा के साथ रोमांस के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा 'यह किसने कहा? गोविंदा जी बहुत ही अच्छे इंसान हैं, मगर यह जो सवाल है, यह सच नहीं है। हमने कई हिट फिल्में की हैं। हमारे बीच कुछ नहीं था।'

साथ में फिल्में करने पर लगता था इल्जाम

एक्ट्रेस ने 90 के दशक में अपनी केमिस्ट्री को लेकर मीडिया में मचे बवाल के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि उस वक्त लिंक-अप्स पर कोई सफाई देने वाला नहीं था। उन्हें जो मन करता था, वे छाप देते थे। मुझे लगता है कि उन दिनों हम प्रेस से डरते थे। अगर आप किसी के साथ लगातार 2-3 से ज्यादा फिल्में करते थे, तो यह मान लिया जाता था कि... आप दोनों साथ हैं।'

नीलम के साथ गोविंदा की फिल्में

1980 और 1990 के दशक की शुरूआत में, गोविंदा और नीलम कोठारी ने लगभग एक दर्जन फिल्मों में काम किया। इसमें 'इल्जाम', 'खुदगर्ज', सिंदूर, फर्ज की जंग, बिल्लू बादशाह, ताकतवर और घराना जैसी फिल्में शामिल हैं।

पत्नी से अनबन को लेकर सुर्खियों में गोविंदा

गोविंदा कुछ दिनों से अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के साथ कथित अनबन को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मामले पर उन्होंने कहा कि 'शोहरत और दौलत के साथ साजिशें मुफ्त आती हैं। लोग मेरी चुप्पी को मेरी कमजोरी या गलती मान रहे थे, इसलिए अब जवाब देना जरूरी हो गया है।' उन्होंने बताया था कि उनके साथ कुछ लोग साजिश कर रहे हैं इसलिए उनकी पत्नी ने बहकावे में आकर उन पर गलत इल्जाम लगाए।

जैकी श्रॉफ के 69वें जन्मदिन पर सेलेब्स ने दी बधाई, बेटी कृष्णा के अलावा कई निर्देशक-अभिनेताओं ने किया विश

जैकी श्रॉफ आज अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। इसी खास मौके पर उनकी बेटी कृष्णा श्रॉफ के अलावा कई बॉलीवुड निर्देशक और अभिनेताओं ने उन्हें जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।

बॉलीवुड दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ का आज 69वां जन्मदिन है। आज उनके जन्मदिन पर उन्हें निर्देशक सुभाष घई से लेकर अनिल कपूर, अजय देवगन के अलावा कई अभिनेताओं ने सोशल मीडिया हैंडल क जरिए जन्मदिन की बधाई दी हैं।

कृष्णा श्रॉफ

जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ ने अपने पिता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। कृष्णा ने इंस्टाग्रम स्टोरी पर अपने पिता जैकी की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही कृष्णा ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे मेरे रक्षक। पापा मैं आपको पूरे दिल से प्यार करती हूं और हमेशा करती रहूंगी।'

अजय देवगन का पोस्ट

अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जैकी श्रॉफ की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, कांडा चौकंडी काटना पर केक सीधा ही काटना।' साथ में उन्होंने एक मुस्कुराता हुआ इमोजी भी लगाया। इस पुरानी तस्वीर में जैकी श्रॉफ यंग और हैंडसम दिख रहे हैं।

सुभाष घई का पोस्ट

सुभाष घई और जैकी श्रॉफ ने 'कर्मा', 'राम लखन' और 'खलनायक' जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में एक साथ काम किया है। सुभाष ने हाल ही में जैकी को अपना लाडला अभिनेता भी बताया था। वहीं आज सुभाष ने जैकी और अपनी एक खास तस्वीर इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की और जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे मेरे प्रिय जैकी...' इसके साथ ही सुभाष ने जैकी के लिए एक खास कविता भी लिखी है। जिसकी शुरूआत है - 'गौरव वो नहीं जिसका बाप बड़ा होता है, गौरव वो है, जो खुद के पाव पे खड़ा होता है.....' आखिर में सुभाष ने लिखा, 'प्यार और आशीर्वाद के साथ।'

अनिल कपूर का पोस्ट

अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी और जैकी की कई शानदार तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया है। इसके साथ ही अनिल ने जैकी को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'कुछ रिश्ते एक जन्म से भी आगे होते हैं, हर जन्म में आपका आभारी हूं- जग्गू दा, जन्मदिन मुबारक हो राम (फिल्म 'राम लखन' में जैकी और अनिल ने एक साथ काम किया है, जिसमें जैकी का नाम राम है।)'

सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने साथ जैकी श्रॉफ की एक खास तस्वीर शेयर की है। इसी तस्वीर के साथ सुनील ने जैकी को जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ लिखा, 'मेरे हीरो को जन्मदिन की शुभकामनाएं.. मेरे दादा, आपका दिल आपकी लेजेंडरी पर्सनैलिटी से भी बड़ा है और आपकी गर्मजोशी आपके स्वैग से भी ज्यादा दुर्लभ है। आपके प्यार, पागलपन और आपके लिए आभारी हूं। लव यू दादा।'

काजोल

काजोल देवगन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जैकी के साथ एक वीडियो शेयर किया और कैप्शन में उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। पौधे के लिए शुक्रिया।'

अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जैकी श्रॉफ के साथ एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो के साथ अनन्या ने जैकी को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरे पसंदीदा बिडू। आपके साथ हमेशा अच्छा समय बीतता है।'

जैकी का करियर

1982 में आई फिल्म 'स्वामी दादा' में एक छोटी सी भूमिका निभाने के बाद, जैकी श्रॉफ ने सुभाष घई की ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्म 'हीरो' से मुख्य भूमिका निभाई थी। एक गैंगस्टर के रूप में उनके अभिनय की दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म 'हीरो' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद जैकी ने 1980 और 1990 के दशक में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों के साथ अपनी पहचान बनाई। इस दौर की उनकी कुछ बेहद लोकप्रिय फिल्मों में 'कर्मा', 'कुदरत का कानून', 'त्रिदेव', 'राम लखन', 'बॉर्डर' और 'खलनायक' शामिल हैं।

प्यार, दोस्ती और परिवार नन्हे मेहमान के आने से पहले रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम ने दिखाई जनवरी की झलक

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। इससे पहले लिन ने जनवरी के महीने की खूबसूरत झलकियां फैंस के साथ शेयर की हैं।

साल 2026 का पहला महीना यानी जनवरी विदा ले चुका

है। आज 01 फरवरी से नए माह की शुरूआत हुई है। लिन लैशराम और रणदीप हुड्डा के लिए यह साल यूं भी खास होने वाला है, क्योंकि दो से तीन होने वाले हैं। आज रविवार को लिन लैशराम ने साल के पहले महीने की खूबसूरत फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं।

दोस्तों और परिवार के प्यार में पगा जनवरी का महीना

लिन लैशरान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने तस्वीरों के जरिए बताया है कि जनवरी का महीना कितना खुशनुमा रहा है। साल का पहला महीना दोस्तों और परिवार के साथ मोहब्बत के साथ बीता। एक्ट्रेस ने अपने बेबी शॉवर की फोटोज भी शेयर की हैं।

प्रेग्नेंसी में वर्कआउट करती दिखीं लिन लैशराम

तस्वीरों के साथ लिन लैशराम ने कैप्शन लिखा है, 'जनवरी 2026 कुछ इस तरह बीता। प्यार, दोस्त और परिवार। तस्वीरों में आप भी देखिए झलक'। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि लिन लैशराम प्रेग्नेंसी में अपनी सेहत का पूरा ख्याल रख रही हैं। लजीज और हेल्दी फूड के साथ-साथ वह वर्कआउट भी कर रही हैं।

साल 2023 में रचाई थी लिन और रणदीप की शादी

बता दें कि बीते वर्ष 29 नवंबर को रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर वाइफ लिन की प्रेग्नेंसी की खुशखबरी शेयर करते हुए लिखा था, 'दो साल का प्यार, एडवेंचर और अब... एक छोटा सा बच्चा आने वाला है।' बता दें कि लिन और रणदीप हुड्डा ने साल 2023 में शादी रचाई थी। रणदीप हुड्डा की तरह लिन लैशराम भी अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं। लिन मूल रूप से मणिपुर की रहने वाली हैं। वे चर्चित मॉडल और अभिनेत्री हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरूआत शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से की थी। इसके अलावा वे प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'मैरी कॉम' में भी काम कर चुकी हैं।

बॉर्डर 2 के आगे दम नहीं दिखा पाई मदार्नी 3, जानें वीकएंड पर कितनी की कमाई

शनिवार को फिल्म 'मदार्नी 3', 'बॉर्डर 2' और 'मयसभा' के कलेक्शन में इजाफा हुआ है। इन फिल्मों को वीकएंड का फायदा मिला है।

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में चल रही हैं। इसमें 'मदार्नी 3', 'बॉर्डर 2' और 'मयसभा' शामिल हैं। दूसरे दिन 'मदार्नी 3' को वीकएंड का फायदा मिला है। वहीं 'बॉर्डर 2' के कलेक्शन में भी इजाफा हुआ है। सिनेमाघरों में पहले से चल रही 'बॉर्डर 2' ने शनिवार को नई रिलीज हुई फिल्म 'मदार्नी 3' से ज्यादा कलेक्शन किया है। आइए जानते हैं कि 'मदार्नी 3', 'बॉर्डर 2' और 'मसयभा' ने कितना कलेक्शन किया है।

'मदार्नी 3' दूसरे दिन की कमाई

30 जनवरी को सिनेमाघरों में रानी मुखर्जी की अदाकारी वाली फिल्म 'मदार्नी 3' ने दस्तक दी। पहले दिन फिल्म का कलेक्शन 4 करोड़ रुपये रहा। दूसरे दिन फिल्म को वीकएंड का फायदा मिला और इसने 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म का टोटल कलेक्शन 10 करोड़ रुपये हो गया है। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक फिल्म का बजट 60 करोड़ रुपये है। बजट के हिसाब से फिल्म का कलेक्शन औसत है।

मदार्नी फ्रेंचाइजी का दूसरे दिन का कलेक्शन

बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन 'मदार्नी' (2014) ने 4.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। 'मदार्नी 2' (2019) ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 6.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। 'मदार्नी 3' ने दूसरे दिन 6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

'बॉर्डर 2'

सनी देओल की अगुआई वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' को वीकएंड का फायदा मिला है। नौवें दिन इसने 17.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। पहले दिन इस फिल्म ने 30 करोड़ रुपये और चौथे दिन सबसे ज्यादा 59 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म ने अब तक 252.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। 'मदार्नी 3' की रिलीज से इस फिल्म पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है।

'मयसभा-द हॉल ऑफ इल्यूजन'

30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'मयसभा-द हॉल ऑफ इल्यूजन' की कमाई में इजाफा हुआ है। पहले दिन फिल्म ने 12 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे दिन इसने 22 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

मंत्र भारत ग्वालियर -सोमवार ,02 फरवरी 2026

कर्मचारी समाज के लिए बजट घोर निराशाजनकः सुरेश सिंह यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिल भारतीय राज सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश सिंह यादव ने केन्द्रीय बजट को कर्मचारी समाज के लिए घोर निराशाजनक बताया है। अखिल भारतीय राज सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश सिंह यादव ने केंद्र सरकार द्वारा बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि देश के कर्मचारी के लिए यह निराशाजनक बजट है कर्मचारियों के लिए इसमें कुछ भी नहीं है। आज पूरे देश में 90 लाख पद रिक्त है। चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत पदो के सापेक्ष 60 प्रतिशत से अधिक सेवानिवृत हो गए। इससे राजकीय कार्य पर प्रभावित हो रहा है। लेकिन बजट में ना तो चतुर्थ श्रेणी की भर्ती और ना ही पुरानी पेंशन बहाली के लिए कुछ कहा या किया गया। सुरेश सिंह यादव ने कहा कि अपने शुरूआती कार्यकाल से नौकरी देने का दावा करने वाली केन्द्र सरकार के नौवें बजट में भी बेरोजगारों को नौकरी के लिए कोई रास्ता नही खोला गया। पेंशन बुढ़ापे के समय समाज में सम्मानित जीवन व्यतीत करने का एक रास्ता था उसके लिए भी बजट में कुछ नही किया गया। इस बजट में केवल निजीकरण को बढ़ावा देने का काम किया गया। वित्त मंत्री ने बेरोजगारी की समस्या को दूर करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई एलान किए हैं। लेकिन इसके चलते बेरोजगारी घटने की जगह बढ़नी तय है। सरकार का इस तरह का प्रयास पहले भी किया जा चुका है लेकिन परिणाम लगभग ना के बराबर है।

'अमेरिका का कोई भी हमला भड़का देगा क्षेत्रीय युद्ध', ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की ट्रंप को खुली धमकी

दुबई : ईरान में सत्ताविरोधी प्रदर्शनों को दबाने के लिए प्रशासन ने दमनात्मक रवैया अपनाया था। इसके चलते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी शासन को धमकी देते हुए सैन्य हमला करने की चेतावनी दी थी। साथ ही अमेरिकी युद्धपोतों के बेड़े को पश्चिमी एशिया की ओर रवाना करने का बयान दिया था। अमेरिका का जंगी बेड़ा अब ईरान के पास तैनात है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को चेतावनी दी कि अमेरिका की ओर से किया गया कोई भी हमला मध्य पूर्व में 'क्षेत्रीय युद्ध' को जन्म देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्लामी गणराज्य पर सैन्य हमला करने की धमकी दी है, जिस पर खामेनेई के बयान से तनाव और बढ़ गया है। अयातुल्ला अली खामेनेई की ये टिप्पणियां अब तक की उनकी सबसे सीधी धमकी हैं, क्योंकि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उससे जुड़े अमेरिकी युद्धपोत अरब सागर में तैनात हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने ईरान में विरोध-प्रदर्शनों पर की गई दमनात्मक कार्रवाई के बाद जंगी बेड़े को भेजा था। खामनेई की ट्रंप को सीधी धमकी खामेनेई के हवाले से कहा गया है, 'अमेरिकियों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा।' खामेनेई ने आगे कहा, 'हम उकसाने वाले नहीं हैं और न ही हम किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरानी राष्ट्र किसी भी ऐसे व्यक्ति को करारा जवाब देगा जो उस पर हमला करेगा या उसे परेशान करेगा।' ट्रंप का दावा- ईरान करना चाहता है बातचीत हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर बल का इस्तेमाल करेंगे या नहीं। उन्होंने बार-बार कहा है कि ईरान बातचीत करना चाहता है और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को भी एक ऐसे मुद्दे के रूप में उठाया है जिसे वह हल करना चाहते हैं। अमेरिकी जंगी बेड़े के पास ईरानी सैन्य अभ्यास ईरान ने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य में रविवार और सोमवार को सैन्य अभ्यास की योजना बनाई थी। यह फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना है, जिससे होकर तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने अभ्यास के दौरान अपने युद्धपोतों या विमानों को धमकी देने या वाणिज्यिक यातायात को बाधित करने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

ईयू के फैसले से भड़का ईरान

आईआरजीसी पर कार्रवाई के बाद यूरोपीय सेनाओं को आतंकी सूची में डाला

ईरान : संसद अध्यक्ष ने कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ के सभी सैन्य बलों को आतंकवादी समूह मानता है। इसके साथ ही ईरान संसद में अमेरिका मुदार्बाद और इस्त्राइल मुदार्बाद के नारे भी लगे।

ईरान की संसद अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ के सभी सैन्य बलों को आतंकवादी समूह मानता है। मोहम्मद बगेर कलीबाफ की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह यूरोपीय संघ द्वारा ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को देश में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर खूनी दमन में उसकी भूमिका के लिए एक आतंकवादी समूह के रूप में सूचीबद्ध करने के समझौते के बाद आई है। 2019 के एक कानून का हवाला देकर किया घोषणा कलीबाफ ने इस घोषणा के लिए 2019 के एक कानून का हवाला दिया। यह कानून अमेरिका द्वारा गार्ड को आतंकवादी समूह घोषित करने के बाद पारित किया गया था। वह ईरान को ऐसे किसी भी शख्स के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की अनुमति देता है जो इस निर्णय का अनुसरण करता है। कलीबाफ ने यह घोषणा तब की जब वह और अन्य लोग संसद में गार्ड की वर्दी पहने हुए थे। कलीबाफ गार्ड में कमांडर थे। ईरान संसद में अमेरिका-इस्त्राइल मुदार्बाद के नारे लगे हालांकि, यह ऐसे समय में हो रहा है, जब मध्य पूर्व में तनाव चरम पर है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य हमले पर विचार कर रहे हैं। इस्लामिक गणराज्य ने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य में रविवार और सोमवार को सैन्य अभ्यास की योजना भी बनाई है, जो फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना है, जिससे होकर तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। कलिबफ ने कहा कि यूरोप में आतंकवाद के प्रसार में सबसे बड़ी बाधा रही (गार्ड) पर हमला करने की कोशिश करके, यूरोपीय लोगों।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की बड़ी कार्रवाई, 92 आतंकी ढेर, 15 सैनिकों की मौत

इस्लामाबादः पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों ने बड़े आतंकवाद-रोधी अभियान में 92 आतंकियों को मार गिराया। इस दौरान 15 सैनिक शहीद हुए। इलाके में बढ़ती हिंसा के बीच सेना ने अभियान तेज करने का ऐलान किया है। फिलहाल पूरे इलाके में सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। सेना ने रविवार को जानकारी दी कि अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम 92 आतंकवादी मारे गए हैं। इस संघर्ष में पाकिस्तान के 15 सैनिकों ने भी अपनी जान गंवाई। शनिवार को जातीय बलूच समूहों से जुड़े आतंकियों ने कई जगहों पर हमले किए थे। इसके जवाब में सेना ने यह कार्रवाई शुरू की। आतंकियों ने क्वेटा, ग्वादर, पंजगुर और पसनी

जैसे इलाकों में शांति बिगाड़ने की कोशिश की थी। सुरक्षा बलों और पुलिस ने हाई अलर्ट पर रहते हुए तुरंत मोर्चा संभाला और आतंकियों की साजिश नाकाम कर दी। दो दिनों में 133 आतंकी ढेऱ सेना ने पूरे बलूचिस्तान में कई जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान तीन आत्मघाती हमलावरों समेत 92 आतंकियों को मार गिराया गया। आतंकियों ने आम लोगों को भी निशाना बनाया। उनके हमलों में महिलाओं, बच्चों और मजदूरों समेत 18 नागरिकों की मौत हो गई। सेना ने बताया कि पंजगुर और हरनाई जिलों में टीटीपी के 41 आतंकी भी मारे गए हैं। पिछले दो दिनों में कुल 133 आतंकी खत्म किए जा चुके हैं। प्रभावित इलाकों में अब भी अभियान चल रहा है। सेना ने कहा है कि इन कायरतापूर्ण हमलों के पीछे शामिल लोगों और उनके मददगारों को कड़ी सजा मिलेगी। नेशनल एक्शन प्लान के तहत आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए यह अभियान पूरी रफ्तार से जारी रहेगा। हिंसा में हुई है वृद्धि बलूचिस्तान में पिछले कुछ वर्षों से हिंसा काफी बढ़ गई है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) ने जनवरी की शुरूआत में बताया कि हाल के वर्षों में बलूचिस्तान में हिंसा बढ़ी है, पिछले साल प्रांत में मरने वालों की संख्या 787 से बढ़कर 956 हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग 22 प्रतिशत ज्यादा है। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, 2025 में पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों और हिंसा में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, और इस साल देश भर में 699 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गईं।

'मदद न मांगें तब तक विरोध प्रदर्शनों में दखल न दें', तनाव के बीच फेडरल एजेंट्स को ट्रंप का आदेश

वॉशिंगटन : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) को आदेश दिया है कि वह डेमोक्रेट शासित शहरों में विरोध प्रदर्शनों में तब तक हस्तक्षेप न करें, जब तक कि वे संघीय सहायता न मांगें। यह निर्देश मिनियापोलिस शहर में संघीय एजेंटों की कार्रवाई के दौरान दो लोगों की मौत के बाद हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद दिया गया है। अमेरिका में इन दिनों फेडरल एजेंसियों के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। मिनियापोलिस में तनाव बढ़ा हुआ। संघीय अधिकारों की आव्रजन संबंधी कार्रवाई की कार्यशैली सवालों के घेरे में हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल एजेंट्स को डेमोक्रेट शहरों में विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने का आदेश दिया है। विरोध प्रदर्शनों में दखल न देने का आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति ने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) को निर्देश दिया है कि जब तक डेमोक्रेट-शासित शहर फेडरल मदद न मांगें, तब तक वे विरोध प्रदर्शनों में दखल न दें। ट्रंप का यह आदेश मिनियापोलिस शहर में संघीय एजेंटों की कार्रवाई के दौरान दो लोगों की मौत के बाद हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद दिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर होगी आक्रामक कार्रवाई रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि उन्होंने डीएचएस सचिव क्रिस्टी नोएम को निर्देश दिया है कि डेमोक्रेट शासित शहरों में विरोध प्रदर्शनों के संबंध में 'हम किसी भी परिस्थिति में

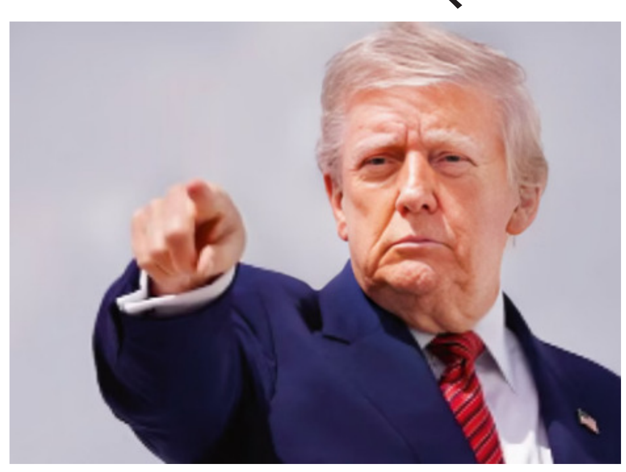

भाग नहीं लेंगे, जब तक कि वे हमसे मदद न मांगें।' हालांकि उन्होंने लिखा कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईईसी) और बॉर्डर पेट्रोल संघीय इमारतों की सुरक्षा के लिए आक्रामक रूप से कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने दी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी उन्होंने कहा, 'हमारे अधिकारियों के चेहरे पर थूकना मना है, हमारी गाड़ियों की हेडलाइट्स पर मुक्के मारना या लात मारना मना है, और हमारी गाड़ियों या हमारे देशभक्त योद्धाओं पर पत्थर या ईंट फेंकना मना है। अगर ऐसा कोई करता है, तो उसे समान या इससे भी गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने न्यायालयों, संघीय भवनों या हमारी सुरक्षा के अंतर्गत आने वाली किसी भी चीज को किसी भी तरह से क्षतिग्रस्त नहीं होने देंगे।' मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस में आव्रजन प्रवर्तन अभियान चला रहे सीमा गश्ती अधिकारियों की गोली लगने से नर्स एलेक्स प्रीटी की हत्या को लेकर व्यापक आक्रोश के बीच प्रदर्शन हो रहे हैं। इस मौत ने 7 जनवरी को गाड़ी चलाते समय गोली मारकर हत्या की गई रेनी गुड की मौत के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि ट्रंप ने पिछले साल डेमोक्रेट शासित राज्यों और शहरों (शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड) को निशाना बनाते हुए आव्रजन पर सख्ती बरती और कहा था कि अपराधियों को अमेरिका से बाहर निकालने के लिए सैन्य अभियान जरूरी थे। इधर, मिनेसोटा राज्य के सबसे बड़े शहर मिनियापोलिस में की गई कार्रवाई संघीय अधिकारियों के अनुसार अब तक के सबसे बड़े संघीय आव्रजन प्रवर्तन अभियान का हिस्सा है, जिसमें लगभग 3,000 एजेंट तैनात किए गए हैं। यह अभियान नवंबर में शुरू हुआ था और अधिकारियों का कहना है कि यह आंशिक रूप से सोमाली मूल के निवासियों से जुड़े धोखाधड़ी के आरोपों से संबंधित है।

'मातृभूमि या मौत', ट्रंप के टैरिफ पर बोले क्यूबा के राष्ट्रपति; अमेरिका को दी चेतावनी

हवाना (क्यूबा) : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कैरिबियाई सागर में स्थित देश क्यूबा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। ट्रंप ने क्यूबा को तेल सप्लाई करने वाले देशों पर टैरिफ की धमकी दी है, जिस पर अब क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कैनेल बमुर्डेज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कैरिबियाई सागर में स्थित देश क्यूबा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने गुरुवार (29 जनवरी) को कनाडाई विमानों पर 50 फीसदी और क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। जिस पर अब क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कैनेल बमुर्डेज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तेल की आपूर्ति करने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के अमेरिकी कदम की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था का गला घोंटना है। इसी के साथ उन्होंने इसे वॉशिंगटन की जबरन दबाव बनाने वाली विदेश नीति का हिस्सा करार दिया। विदेश नीति थोपने का आरोप क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज ने कई बाद कई एक्स कई पोस्ट के जरिए अमेरिका पर निशाना साधा और कहा कि ट्रंप प्रशासन बल

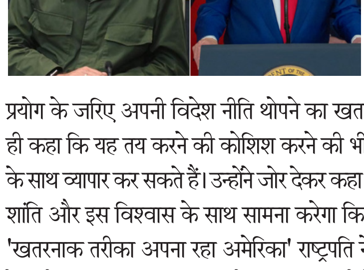

प्रयोग के जरिए अपनी विदेश नीति थोपने का खतरनाक तरीका अपना रही है। साथ ही कहा कि यह तय करने की कोशिश करने की भी जा रही है कि कौन से देश क्यूबा के साथ व्यापार कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्यूबा इस नए हमले का दृढ़ता, शांति और इस विश्वास के साथ सामना करेगा कि तर्क पूरी तरह से हमारे पक्ष में है। 'खतरनाक तरीका अपना रहा अमेरिका' राष्ट्रपति ने अपने पोस्ट में कहा, 'हम अपने देश को ईंधन सप्लाई पर पूरी तरह से नाकाबंदी लगाने के अपने इरादे में क्यूबा के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार द्वारा किए गए नए हमले की कड़ी से कड़ी निंदा करते हैं। ट्रंप प्रशासन बल के इस्तेमाल के जरिए देश की विदेश नीति चलाने और साम्राज्यवादी वर्चस्व सुनिश्चित करने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का एक खतरनाक तरीका अपना रहा है।' क्यूबा के राष्ट्रपति ने आगे कहा कि 'फैसला एक हैः मातृभूमि या मौत! हम जीतेंगे!' क्यूबा पर बढ़ा आर्थिक दबाव इससे पहले गुरुवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को तेल की आपूर्ति करने वाले देशों के खिलाफ नए टैरिफ की चेतावनी देते हुए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिससे क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ गया।

'वेनेजुएला का तेल खरीदेगा भारत', डोनाल्ड ट्रंप का बयान; बोले-समझौते की रूपरेखा तैयार

वॉशिंगटन : भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। अमेरिका के वेनेजुएला तेल भंडार पर नियंत्रण के बाद अब भारत बड़ी डील करने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि भारत वेनेजुएला का तेल खरीदेगा। समझौते की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। अमेरिकी की पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर लिए गए एक्शन के बाद वेनेजुएला की भारत से यह पहली वार्ता की। अब इस कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल खरीद पर भारत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही तेल खरीदने के लिए एक समझौता कर चुका है। तेल खरीद पर भारत को लेकर ट्रंप का बयान डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (01 फरवरी) को कहा कि भारत ईरान से कच्चा तेल खरीदने के बजाए वेनेजुएला से तेल आयात करेगा। फ्लोरिडा जाते समय एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाए वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसलिए हमने समझौते की रूपरेखा तैयार कर ली है।' वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत उन्होंने आगे कहा, 'हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाए वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वे आ रहे हैं, हमने पहले ही उस समझौते पर सहमति बना ली है, समझौते की अवधारणा तैयार कर ली है।' फिलहाल भारत की ओर से अभी ट्रंप की टिप्पकी पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। चीन को भी डील के लिए बुलाया इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला का तेल खरीदने के लिए चीन से भी तेल खरीदने की अपील की। उन्होंने कहा कि चीन का स्वागत है, वे आएं और तेल पर एक शानदार डील करें। हमने पहले ही एक डील (भारत से) कर ली है। बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने बताया था कि वेनेजुएला ने वॉशिंगटन को 52 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है, और उन्होंने उस सौदे पर सहमति जताई है। ट्रंप के बयान पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा इधर, ट्रंप के भारत के वेनेजुएला से तेल खरीदने के बयान पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने केंद्र को घेरते हुए कहा कि अमेरिकी नेता हमारी अपनी सरकार ने जो किया है या करने वाली है, उसके बारे में जानकारी देना जारी रखे हुए हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर ट्रंप की टिप्पणियों का ऑडियो साझा किया और कहा, 'उन्होंने (ट्रंप ने) हमें बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया गया है। उन्होंने हमें बताया था कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है।

एप्स्टीन दस्तावेज में ट्रंप समेत कई बड़े नाम का जिक्र, अमेरिकी राजनीति में हलचल मचने की संभावना

वॉशिंगटनः अमेरिकी राजनीति में एप्स्टीन दस्तावेज में हुए खुलासों से हलचल मचने की संभावना है। बता दें कि इन दस्तावेजों में सैंकड़ों बार ट्रंप के साथ-साथ कई बड़े नामों का जिक्र हैं। वहीं इन दस्तावेजों को लेकर डेमोक्रेट्स ने सरकार पर निशाना साधा है। अमेरिका के न्याय विभाग ने शुक्रवार को जेफरी एप्स्टीन से जुड़े सरकारी दस्तावेजों का अब तक का सबसे बड़ा पैकेज सार्वजनिक किया। ये दस्तावेज एप्स्टीन फाइल्स पारदर्शिता अधिनियम के तहत जारी हुए, जिस पर खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंर ने हस्ताक्षर

किए थे। ट्रंप का नाम सैकड़ों बार, लेकिन इन फाइलों में ट्रंप का नाम सैकड़ों बार ईमेल, एफबीआई नोट्स और मीडिया क्लिपिंग्स में आता है। 2025 की एक एफबीआई ईमेल चेन में 12 से ज्यादा गुमनाम शिकायतें दर्ज हैं, जिनमें ट्रंप पर एप्स्टीन से जुड़े यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। लेकिन न्याय विभाग ने साफ कहा कि ये आरोप असत्य, सनसनीखेज और बिना भरोसे के हैं। ट्रंप ने फिर दोहराया कि उनका एप्स्टीन से रिश्ता 2000 के दशक के मध्य में खत्म हो गया था और उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया। भारत का जिक्र- सरकार ने किया खंडन इन दस्तावेजों में भारत से जुड़े कुछ अजीब और अपुष्ट दावे भी हैं। भारत सरकार ने उन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह 'एक सजायाफ्ता अपराधी की घटिया और बेतुकी बातें हैं, जिन पर ध्यान देना भी गलत है।

स्लोवाकिया बना वैश्विक कार हबः कम मजदूरी के कारण बढ़ रहा निवेश, 54 लाख कुल आबादी; हर साल बना रहा 10 लाख कारें

स्लोवाकिया। स्लोवाकिया ने अपनी सीमित आबादी के बावजूद वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग में बड़ी पहचान बना ली है। 54 लाख की आबादी वाला यह देश हर साल करीब 10 लाख कारें बनाता है और प्रति व्यक्ति उत्पादन में दुनिया में सबसे आगे है। यूरोप के मध्य में बसे छोटे से देश स्लोवाकिया ने वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग में वह मुकाम हासिल कर लिया है, जिसकी कल्पना कभी पूर्वी यूरोप के समाजवादी दौर में मुश्किल लगती थी। महज 5.4 मिलियन यानी 54 लाख की आबादी वाला यह देश हर साल लगभग 10 लाख कारों का उत्पादन करता है और प्रति व्यक्ति उत्पादन के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कार निमार्ता बन चुका है। कोरियाई कंपनी किया से लेकर फॉक्सवैगन, स्टेलेंटिस और जगुआर लैंड रोवर तक, वैश्विक कार कंपनियों का भरोसा स्लोवाकिया की अर्थव्यवस्था, श्रम शक्ति और भौगोलिक स्थिति की ताकत को रेखांकित करता है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी स्लोवाकिया के जिलिना शहर के बाहर बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच स्थित किया की विशाल फैक्ट्री इस औद्योगिक सफलता की सबसे जीवंत तस्वीर पेश करती है। यहां 690 रोबोट स्टील कार बॉडी को वेल्ड कर असेंबली लाइन की शुरूआत तक पहुंचाते हैं। इसके बाद लाल पैंट और सफेद टी-शर्ट पहने हजारों कर्मचारी इन स्टील ढांचों को पूरी तरह तैयार कारों में बदलते हैं।

ईरान के बंदर अब्बास में विस्फोट, 4 साल की बच्ची की मौत; ड्रिल से पहले बढ़ा तनाव

बंदर अब्बास (ईरान) : ईरान के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में हुए विस्फोट में एक 4 वर्षीय बच्ची की मौत और 14 लोग घायल हुए। होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रस्तावित नौसैनिक अभ्यास से ठीक पहले हुई इस घटना ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। ईरान के प्रमुख बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में एक रिहायशी इमारत में हुए जोरदार विस्फोट से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 4 साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि कम से कम 14 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब ईरान एक दिन बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक अभ्यास करने वाला था जिस पर अमेरिका की भी करीबी नजर बनी हुई है। स्थानीय मीडिया में सामने आए वीडियो में देखा गया कि राहतकर्मी मलबे से घायलों को बाहर निकाल रहे हैं।

फुटेज में एक सुरक्षा बल के सदस्य को स्ट्रेचर पर ले जाते हुए भी दिखाया गया, जिनकी हालत गंभीर बताई गई। हालांकि, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने किसी वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारी के घायल होने की खबरों का खंडन किया है। गैस रिसाव को बताया गया विस्फोट का कारण ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, स्थानीय फायर विभाग के एक अधिकारी ने विस्फोट की वजह गैस रिसाव को बताया है। शुरूआती जांच में इसे आतंकी हमला या सैन्य घटना से जोड़कर नहीं देखा जा रहा, लेकिन समय और स्थान को लेकर सवाल जरूर उठ रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के चलते संवेदनशील माहौल बंदर अब्बास, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित है वही जलमार्ग जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार गुजरता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।